ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 343 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 जून 2026 गुरुवार

आज का मौसम
34.3 अधिकतम
25.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

मुंडन कराकर लौट रहे लोगों की गाड़ी खाई में गिरी, 7 की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में चंबा-मसरूंड मार्ग पर छतरूंड के समीप एक बोलेरो अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बोलेरो में ग्राम महल पंचायत के सपरोठ गांव के छह लोग, जिनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल थे और वाहन का चालक सवार था। ये सभी लोग काकड़ोथा गांव में आयोजित एक मुंडन संस्कार में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान छतरूंड के पास अनियंत्रित होकर वाहन सड़क से लुढ़क गया और खाई में समा गया। खाई की गहराई लगभग 500 मीटर बताई जा रही है।

हाईटेंशन लाइन पर चलते युवक का वीडियो वायरल

भोपाल। एमपी नगर इलाके में आज उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक अचानक शासकीय प्रेस के सामने बिजली के खंभे पर चढ़ गया।

देखते ही देखते वह हाई टेंशन लाइन के तारों पर चलता हुआ भी दिखाई दिया। यह नजारा देखकर मौके पर मौजूद लोग दहशत में आ गए। आसपास भीड़ जमा हो गई। घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद उतार लिया गया।

बच्चा तस्करी का भांडाफोड़ डॉक्टर समेत 12 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट टीम ने एक बड़े अंतरराज्यीय बाल तस्करी सिंडिकेट का सुबह भंडाफोड़ किया। पुलिस ने इस मामले में 12 आरोपितों को गिरफ्तार किया और 5 नाबालिग बच्चों को बचा लिया। इन आरोपितों में रोहिणी के बेगमपुर इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल का मालिक भी शामिल है, जो खुद डॉक्टर है। पुलिस को संदेह है कि इस डॉक्टर ने अपने अस्पताल का दुरुपयोग कर बच्चों की तस्करी का नेटवर्क बना रखा था।

जबरन धर्म परिवर्तन और रेप मामले में मौलाना का सरेंडर

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर में वायुसेना के एक अधिकारी की पत्नी के साथ मारपीट, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के मामले में आरोपी मौलाना मजरत महमूद मकसूद, जो लंबे समय से फरार चल रहा था में देर रात सोनेगांव पुलिस स्टेशन में सरेंडर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मौलाना को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उसकी रिमांड की मांग करेगी। दरअसल, वायुसेना के एक अधिकारी की पत्नी के कथित धर्म परिवर्तन और दुर्व्यवहार का सनसनीखेज मामला इस सप्ताह की शुरुआत में सामने आया था। महिला ने अपने एक पुराने सहपाठी और उसके साथियों पर बलात्कार, ब्लैकमेल, काला जादू और जबरन धर्म परिवर्तन का आरोप लगाया है।

आज का कार्टून

राहत भरी खबर... दो महीने के लिए जंग के खात्मे पर मुहर

जिनेवा का इंतजार नहीं, पेरिस में ही डील साइन

वर्साय पैलेस में ट्रम्प ने समझौते पर किए दस्तखत, मसूद पजशकियान के तेहरान से डिजिटल साइन

तेहरान/ पेरिस /वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

दुनिया इंतज़ार कर रही थी कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत स्विट्जरलैंड के जिनेवा में होंगे लेकिन यह इंतज़ार एक दिन पहले ही ख़त्म हो गया। जी - 7 समिट के लिए फ्रांस में मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को पेरिस के वर्साय पैलेस में समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे। ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक आज सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री एक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी। पहले तय था कि इस समझौते पर 19 जून को स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने होंगे लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए। यह समझौता अगले 60 दिनों के लिए हुआ है और इस दौरान स्थाई शान्ति के लिए वार्ता जारी रहेगी। इस डील में कहा गया है कि दोनों देशों को तुरंत सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी। हालांकि अगर किसी पक्ष को लगे कि दूसरा देश अपनी प्रतिबद्धताएं नहीं निभा रहा है, तो बातचीत रुक सकती है। ईरान ने फिर कहा है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। लेकिन यश तय नहीं है कि इसकी मॉनिटरिंग की प्रक्रिया कैसे लागू होगी। ईरान को आर्थिक राहत देने पर अमेरिका और ईरान दोनों के दावे अलग-अलग हैं। इसके लिए ईरान को भी अपनी शर्तें पूरी करनी होंगी। समझौते के बाद होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है। अगर यह व्यवस्था सफल रही तो वैश्विक तेल बाजार को राहत मिल सकती है और भारत जैसे बड़े तेल आयातकों को भी फायदा होगा।

डील पर दस्तखत करते राष्ट्रपति ट्रम्प व ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान।

ट्रम्प बोले- अमेरिका के टारगेट पूरे हो गए

डील को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने उम्मीद से ज्यादा हासिल किया। युद्ध खत्म करना, होर्मुज को खोलना और ईरान को परमाणु हथियार से रोकना उनका लक्ष्य था, जो पूरा हो गया है। ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने अमेरिका के साथ हुए समझौते का उल्लंघन किया, तो उस पर फिर से बमबारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। साथ ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि 300 अरब डॉलर के पैकेज की खबरें भ्रामक हैं।

हम किसी दबाव में नहीं आए - ईरान

ईरान ने दावा किया है कि समझौते में उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों को मान्यता मिली है। ईरान के अधिकारियों के अनुसार, समझौते के तहत सैन्य कार्रवाई रोकने, समुद्री नाकेबंदी खत्म करने और क्षेत्र में तनाव कम करने पर सहमति बनी है। ईरान का कहना है कि उसने दबाव में आकर कोई आत्मसमर्पण नहीं किया, बल्कि बातचीत के जरिए अपने हित सुरक्षित किए हैं। तेहरान ने यह भी दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट पर उसका रणनीतिक महत्व बना रहेगा।

दो माह के लिए इन मुद्दों पर सहमति

- समुद्री रास्ते खोलना व तेल-गैस आपूर्ति सामान्य करना
- परमाणु कार्यक्रम पर निगरानी और बातचीत
- यूरेनियम संवर्धन की सीमा व गतिविधियों पर चर्चा
- यूएस की ओर से आर्थिक प्रतिबंधों में ढील का प्रस्ताव
- बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर आगे बातचीत
- मध्य-पूर्व में ईरान समर्थित समूहों की भूमिका पर चर्चा
- कैदियों/बंदियों की रिहाई की संभावना
- भविष्य में संवाद के रास्ते खुले रखने पर सहमति
- तेल आपूर्ति और बाजार स्थिर करने पर जोर

डेमोक्रेट्स ने कहा - ट्रम्प ने सरेंडर किया

युद्ध खत्म करने की डील को लेकर अमेरिकी राजनीति में घमासान शुरू हो गया है। डेमोक्रेट नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रम्प पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने ईरान के सामने झुककर समझौता किया है। डेमोक्रेट्स का कहना है कि ट्रंप ने जिस सख्त कार्रवाई की बात की थी, उसके बजाय अब ऐसा समझौता किया गया है जिससे ईरान को रणनीतिक लाभ मिल सकता है।

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट दुनिया भर में अव्वल

टॉप 100 यूनिवर्सिटी से भारत बाहर देश में आईआईटी दिल्ली पहले नंबर पर

नईदिल्ली, एजेंसी

दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटीज में एक भी भारतीय संस्थान का नाम नहीं है। अमेरिका की मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी लगातार 15वें साल दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी बनी है। वहीं अपनी पिछली रैंक में सुधार करके आईआईटी दिल्ली भारत का नंबर-1 संस्थान बना है, जबकि आईआईटी बॉम्बे दूसरे नंबर है। दुनिया के अग्रणी संस्थानों की टॉप 10 लिस्ट में से चार-चार अमेरिका और ब्रिटेन के हैं जबकि एक-एक स्थान स्विट्जरलैंड और सिंगापुर को मिला है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 की तजा रिपोर्ट जारी हुई है। इसमें में अमेरिका की मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी टॉप पर है। इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में दुनिया की टॉप 10 यूनिवर्सिटीज को उनकी

एकेडमिक परफॉर्मेंस, रिसर्च आउटपुट, ग्लोबल रिपुटेशन और एम्प्लॉयमेंट रिकॉर्ड जैसे स्टैंडर्ड्स के आधार पर स्थान दिया गया है। लिस्ट के अनुसार, आईआईटी दिल्ली लगातार बेहतर कर रही है। इसने 123वीं रैंक से पांच स्थान बेहतर करके इस साल 118वीं रैंक हासिल की है। संस्थान के प्लानिंग डीन और रैंकिंग सेल के हेड, प्रो. सोमनाथ वैद्य रॉय ने कहा कि कहा कि नए करिकुलम, नए इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटरनेशनल लेवल पर बढ़ती भागीदारी से आने वाले सालों में ग्लोबल स्तर पर इसकी स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है।

ममता को कोर्ट से झटका ऋतब्रत होंगे नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कलकत्ता हाई कोर्ट से एक और बड़ा सियासी झटका लगा है। हाई कोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी के बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद फिलहाल विधानसभा स्पीकर का निर्णय लागू रहेगा। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कृष्णा राव ने ममता बनर्जी गुट की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोई भी अंतरिम आदेश जारी करने से मना कर दिया।

बैतूल पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू, महासम्मेलन का शुभारंभ

बैतूल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज बैतूल पहुंचीं और लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण' विषयक महासम्मेलन में शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद राष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलित कर महासम्मेलन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति का मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया गया।

भारत में सस्ती मिलेंगी इंग्लैंड की कारें, कपड़े और फुटवेयर

ब्रिटेन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से हो जाएगा लागू

लंदन, एजेंसी

भारत में यूके की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर 27 दिन बाद सस्ते मिलेंगे। क्योंकि, भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। यानी इस दिन से भारत के 99% सामानों को यूके में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं यूके के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे। इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और उनके यूके समकक्ष कीर स्टार्मर की उपस्थिति में इस समझौते पर साइन किए थे। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ। भारत में यूके की हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा, 'उल्टी गिनती शुरू हो गई है! यूके और भारत इस बात पर सहमत हुए हैं कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। यह आधुनिक यूके-भारत पार्टनरशिप के लिए एक ऐतिहासिक पल है।

आला अफसरों के फेरबदल में साफ झलकती मुख्यमंत्री और सीएस की मंशा

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

मंत्रियों को तबादलों के अधिकार मिलने की डेडलाइन समाप्त होते ही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मिलकर मैदानी अमले से लेकर महत्वपूर्ण विभागों तक में नई तैनाती की है। इसमें सरकार के मुखिया और नीतियों को अमल में लाने वाले शीर्ष अफसर के बीच की बेहतर ट्यूनिंग साफ दिखती है। नजर भी साफ है और नजरिया भी। मंशा भी स्पष्ट है कि मंत्रालय और विभागाध्यक्ष दफ्तर से लेकर जिले और संभागों के मैदानी अमले के कामकाज में चुस्ती दिखाई दे।

पिछली बार की कलेक्टरों की लिस्ट के साथ इस पूरे बदलाव की इबारत भी साफ सुथरे प्रशासन के इर्दगिर्द घूमती दिख रही है। सकारात्मक काम करने वालों को और बेहतर काम का मौका मिला है तो नकारात्मक मिजाज ओढ़कर काम करने वालों को किनारे किया गया है। राजधानी यानी भोपाल संभाग के कमिश्नर का दायित्व कर्मवीर शर्मा को देकर उनको बेहतर पोस्टिंग से नवाजा गया है। उनको गेहूं उपार्जन के काम के शुरूआती दौर की गफलतों को तेजी से दूर करके गेहूं की खरीदी का आंकड़ा एक करोड़ टन से ऊपर पहुंचाने का इनाम दिया गया है। बीएस जामोद को लंबे कार्यकाल के बाद रीवा कमिश्नर से बुलाकर सचिव नगरीय विकास बनाया गया है। इसी तरह मुख्यमंत्री ने अपने ओएसडी आलोक कुमार सिंह को पंजीयन महानिरीक्षक बनाकर उनकी सेवाओं का सम्मान किया है।

कर्मवीर शर्मा | अशोक वर्णवाल | मनु श्रीवास्तव | अमनवीर सिंह | ई. रमेश

पूर्व मुख्यसचिव इकबाल सिंह बेंस के बेटे अमनवीर सिंह को उर्जा निगम के एमडी पद से हटना पड़ा है। वे अब आयुक्त कोष एवं लेखा का काम देखेंगे। सूत्रों की माने तो नवकरणीय उर्जा महकमे के एसीएस मनु श्रीवास्तव से उनकी पटरी ठीक नहीं बैठ रही थी। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव दोनों ही नहीं चाहते कि सौर उर्जा कार्यक्रम की गति में किसी प्रकार की सुस्ती आए। अशोक वर्णवाल से कृषि उत्पादन आयुक्त का काम लेकर केसी गुप्ता को दिया गया है तो उनके पास मौजूद पर्यावरण विभाग तथा महानिदेशक एप्को का काम भी अनिरूद्ध मुखर्जी को दे दिया गया है। खरीफ सीजन की चुनौतियों के लिए वर्णवाल की तैयारियों में वांछित गंभीरता नहीं दिख रही थी। वर्णवाल स्वास्थ्य और चिकित्सा विभाग के साथ दो-दो अहम विभागों की अतिरिक्त जिम्मेदारियों के चलते किसी भी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहे थे। फिर कमलनाथ से नजदीकियों के चलते उनको भारी भरकम जिम्मेदारी देने का संदेश भी गलत जा रहा था।

भास्कर लक्षकार को अब खाद्य आयुक्त की जिम्मेदारी मिल गई है तो दीपक सिंह भी चुनाव आयोग से मुक्ति पाकर आयुक्त सहकारी संस्थाएं एव पंजीयन की अहम जिम्मेदारी निभाएंगे। सरकार ने जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह को जेल विभाग के प्रभार से तथा जनसंपर्क संचालक एवं अपर सचिव मुख्यमंत्री का काम संभाल रहे अरविंद दुबे से आयुक्त उद्यानिकी का अतिरिक्त प्रभार लेकर इन दोनों ही अफसरों के बोझ को हल्का किया है। गौरतलब है कि मनीष सिंह के पास परिवहन सचिव और एमडी परिवहन निगम की जिम्मेदारी भी अतिरिक्त रूप से है। अब दोनों ही अफसर अपनी प्रमुख भूमिकाओं के साथ बेहतर न्याय कर सकेंगे। विवेक पोरवाल को राजस्व से मुक्त करके खनिज और डॉ ई रमेश कुमार को राजस्व की जिम्मेदारी देकर ठीक फैसला लिया गया है। इसी तरह संजीव सिंह को भोपाल कमिश्नर के बजाए खेल एवं युवक कल्याण का जिम्मा सौंपकर प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा एवं पीएचई मनीष सिंह को खेल के कामकाज से मुक्त कर दिया गया है। खेल मंत्री विश्वास सारंग भी यही चाहते थे। रीवा में शीलेंद्र सिंह की कमश्निर के बतौर पोस्टिंग को लेकर जरूर सवाल उठे हैं। उन्हें छिंदवाड़ा में कफ सीरप कांड के चलते हटाया गया था। अब वह फिर उन्हीं उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के इलाके में पहुंच गए हैं जिनके विभाग में हुई गफलत के चलते वह कलेक्टर पद से हटे थे।

बारिश ने खोली विकास कार्यों की पोल, पुराने भोपाल की कई कॉलोनियां जलमग्न

भोपाल। मानसून की बारिश ने एक बार फिर शहर की व्यवस्थाओं की हकीकत सामने ला दी है। पुराने भोपाल के नवनीत नगर, शबरी नगर, भानपुर, छोला केंची और द्वारका नगर सहित कई क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भर जाने से आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर जल निकासी व्यवस्था ठप नजर आई, जिससे सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं और लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। सड़कों पर जमा पानी के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, वहीं पैदल चलने वालों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई गलियों और कॉलोनियों में पानी घरों के बाहर तक पहुंच गया, जिससे लोगों में चिंता बढ़ गई है। भानपुर और छोला केंची क्षेत्र में कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति गंभीर बनी रही। नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर जमा हो गया। द्वारका नगर में भी मुख्य मार्गों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को लंबे समय तक जाम की स्थिति का सामना करना पड़ा।

सिग्नलिंग सिस्टम हो गया है तैयार, सीएमआरएस देगी मंजूरी

भोपाल मेट्रो जुलाई से पकड़ेगी रफ्तार बढ़ेंगे फेरे और घटेगा लोगों का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अपनी धीमी रफ्तार को लेकर लगातार चर्चा में रही भोपाल मेट्रो अब नए कलेवर में नजर आने वाली है। जुलाई से यात्रियों को तेज और अधिक सुविधाजनक मेट्रो सेवा मिलने की उम्मीद है। सुभाष नगर से एम्स तक प्रायोरिटी कारिडोर पर सिग्नलिंग सिस्टम का काम पूरा हो चुका है। अब कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी मिलते ही नया संचालन शेड्यूल लागू होगा, जिससे मेट्रो की गति बढ़ेगी और ट्रेनों के फेरे भी अधिक होंगे।

जानकारी के अनुसार भोपाल मेट्रो के संचालन को गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सुभाष नगर से एम्स के बीच करीब सात किलोमीटर लंबे ट्रैक पर आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम स्थापित कर दिया गया है। अगले सप्ताह सीएमआरएस की टीम निरीक्षण के लिए भोपाल पहुंच सकती है। इससे पहले असिस्टेंट कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम निरीक्षण कर चुकी है। वर्तमान में भोपाल और इंदौर मेट्रो में सिग्नलिंग सिस्टम नहीं होने के कारण ट्रेनों का संचालन केवल एक ही ट्रैक पर किया जा रहा है। भोपाल में मेट्रो डाउन ट्रैक पर

दोनों दिशाओं में चलाई जा रही है। यानी ट्रेन जिस ट्रैक से जाती है, उसी ट्रैक से वापस भी लौटती है। इस वजह से ट्रेनों की फ्रिक्वेंसी 75 मिनट रखी गई है, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ता है।

धीमी रफ्तार पर उठ रहे थे सवाल

मेट्रो की धीमी रफ्तार को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। मौजूदा व्यवस्था में दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे के बाद ही नियमित संचालन हो पा रहा है। सिग्नलिंग सिस्टम शुरू होने के बाद दोनों ट्रैक पर एक साथ संचालन संभव होगा, जिससे ट्रेनों के बीच का अंतर कम होगा और यात्रियों को बार-बार मेट्रो उपलब्ध हो सकेगी। सलाहकारों की मानें तो सिग्नलिंग सिस्टम किसी भी मेट्रो नेटवर्क की रीढ़ होता है। यही प्रणाली ट्रेनों की गति नियंत्रित करती है, सुरक्षित दूरी बनाए रखती है और आटोमेटेड संचालन को सक्षम बनाती है। इसके बिना मेट्रो अपनी पूरी क्षमता से संचालन नहीं कर सकती।

नये सिस्टम से यात्रियों को होंगे यह फायदे

- दोनों ट्रैक पर शुरू होगा मेट्रो संचालन।
- 75 मिनट की फ्रिक्वेंसी में आएगी कमी।
- ट्रेनों के फेरे बढ़ेंगे।
- सुबह और शाम ऑफिस टाइम में बेहतर सेवा मिलेगी। यात्रियों का इंतजार कम होगा।
- दिल्ली मेट्रो जैसी आधुनिक तकनीक का लाभ मिलेगा।
- भविष्य में अधिक गति और क्षमता के साथ संचालन संभव होगा।

डीजीपी ने पुलिस अधीक्षकों को दिए कोचिंग सेंटरों की निगरानी के आदेश

38 सायबर कमांडो के जिम्मे होगी दोबारा हो रही नीट-यूजी परीक्षा की निगरानी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद मप्र में फिर से होने वाली नीट परीक्षा की सुरक्षा को लेकर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने प्रदेश के प्रमुख पुलिस अधिकारियों और जिलों के पुलिस अधीक्षकों एवं भोपाल व इंदौर नगरीय पुलिस सेवा के पुलिस आयुक्तों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

पुलिस महानिदेशक श्री मकवाणा ने सभी संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों और भोपाल व इंदौर के पुलिस आयुक्तों को निर्देशित किया कि स्थानीय कोचिंग सेंटर पर अगले तीन दिन वे सतत निगरानी रखें और छानबीन भी करें। परीक्षा से पहले प्रश्न पत्रों की को सुरक्षित स्ट्रांग रूप में रखने तथा किसी के भी प्रवेश से पहले तक सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और डीएफएमडी लगाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि नीट परीक्षा से संबंधित सम्पूर्ण व्यवस्था की निगरानी करने और पुलिस मुख्यालय के साथ समन्वय बनाने के लिए 38 सायबर कमांडों तैनात किए गए हैं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 283 परीक्षा केंद्र

बनाए गए है। जिसमें एक लाख 18 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। यह केंद्र राजधानी के अलावा इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में सबसे ज्यादा है। इसलिए इन जिलों के लिए विशेष सतर्क रहने पुलिस महानिदेशक ने आदेश दिए हैं। उन्होंने 'पेपर लीक के प्रति शून्य सहिष्णुता' नीति पर हर संभव निर्णय लेने कहा है। श्री मकवाणा ने कहा कि परीक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रश्नपत्रों के प्राप्त होने से लेकर उनके सुरक्षित भंडारण, परीक्षा केंद्रों तक परिवहन, परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं एवं सामग्री की सुरक्षित वापसी तक संपूर्ण प्रक्रिया को पूर्णतः सुरक्षित एवं त्रुटिरहित बनाए रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या सुरक्षा में चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने नीट परीक्षा समन्वयक उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केन्द्रों में लगाई जाने वाली बायोमैट्रिक मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर 19 जून को ही परीक्षा केन्द्रों में लगा दिए जाएं। 20 जून को इनका परीक्षण भी कर लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को राष्ट्रपति का जबलपुर प्रवास प्रस्तावित है। जबलपुर शहर में 24 केंद्रों में नीट परीक्षा होनी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी यातायात का ऐसा प्रबंधन करें कि सभी परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में सुगमता से पहुंच जाएं।

22 से महाविद्यालय स्तर की कांउसिलिंग होगी शुरू

सरकारी और निजी कॉलेजों मे अभी भी 82 फीसदी सीटें खाली

पिछली बार आधी से अधिक सीटें रह गयी थी रिक्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के 1326 सरकारी और निजी कॉलेजों में कुल 10.50 लाख सीटें हैं। यह सभी सीटें स्नातक और स्नातकोत्तर की हैं। इनमें से इनमें 16 जून तक केवल 1.82 लाख सीटें भरने के बाद भी 8.67 लाख सीटें रिक्त है। इस तरह अभी तक 80 फीसदी से अधिक सीटें खाली रह गयी हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार नए शैक्षणिक सत्र के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश शुरू किया है। इसमें एक मई से 15 जून तक दो चरणों की कांउसिलिंग की गई। इसमें अभी तक कुल एक लाख 82 हजार 473 विद्यार्थियों ने कालेजों में प्रवेश प्राप्त कर लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब कॉलेज स्तर की प्रवेश प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होने जा रही है।

संभावना है कि इस प्रक्रिया के बाद भी आधी से अधिक सीटें खाली रह जायेंगी। फिलहाल प्रवेश प्रक्रिया के अगले चरण के रूप में कॉलेज लेवल काउंसलिंग के लिए पंजीयन शुरू हो चुका है। अब सीधे कॉलेज वाले प्रवेश देंगे। छात्रों को अपने दस्तावेज लेकर कॉलेज पहुंचना होगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-25 सत्र में यूजी-पीजी की भी करीब 10.50 लाख सीटें हैं, जिसमें कुल 5.04 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। ऑनलाइन प्रवेश में जब छात्रों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई, तो उच्च शिक्षा विभाग ने दोबारा काउंसलिंग करवाई, जिसमें भी छात्रों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। अब पहली दफा इस साल कॉलेजों में सीधे कांउसिलिंग कर प्रवेश देने की तैयारी कर ली गई है। दूसरी बोर्ड परीक्षाओं में उतीर्ण छात्रों का अब कॉलेजों को इंतजार है। दो चरण पूरे होने के बाद अब कॉलेज छात्रों को सीधे प्रवेश दे सकते हैं। एमपी बोर्ड के दूसरी परीक्षा के 12 वीं के नतीजे हाल ही में आए हैं। इसमें उतीर्ण छात्र कॉलेज पहुंचकर प्रवेश ले सकेंगे। वही सीबीएसई की 12 वीं पूरक परीक्षा के नतीजे भी प्रवेश प्रक्रिया तक आ जाएंगे। इससे कुछ सीटें भरने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि पूरी सीटें ना भरना भी चिंता का विषय है।

तीन महीने में सौ से ज्यादा परियोजनाएं पंजीकृत नियमित अध्यक्ष न होने के कारण बढ़ी शिकायतें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में पिछले तीन महीने से नियमित अध्यक्ष नहीं होने का असर अब उसके कामकाज में साफ दिखाई देने लगा है। मार्च में तत्कालीन अध्यक्ष एपी श्रीवास्तव के सेवानिवृत्त होने और जून में कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत के पद छोड़ने के बाद रेरा का संचालन प्रभारी अधिकारियों के भरोसे चल रहा है। इस दौरान जहां 100 से अधिक हाउसिंग और रियल एस्टेट परियोजनाओं को पंजीयन संख्या जारी कर दी गई, वहीं उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई और निराकरण की प्रक्रिया प्रभावित है।

रेरा अधिनियम का उद्देश्य घर खरीदारों के हितों की रक्षा करना और बिल्डरों-कॉलोनाइजरों की मनमानी पर अंकुश लगाना है। इसके बावजूद

भूमि विवाद, कब्जा नहीं मिलने, अधूरे प्रोजेक्ट, फर्जी रजिस्ट्री और भ्रामक विज्ञापनों से जुड़ी शिकायतों पर अंतिम आदेश नहीं हो सके। शिकायतकर्ता लंबे समय से सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि प्रभारी व्यवस्था में प्रशासनिक और पंजीयन संबंधी काम तो जारी हैं, लेकिन न्यायिक प्रकृति के मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं हो पा रहे हैं। इसी कारण लंबित शिकायतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। दूसरी ओर प्रदेश के कई शहरों में बिना रेरा पंजीयन के चल रही परियोजनाओं और अवैध कॉलोनियों की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही हैं।

उपभोक्ताओं को नए अध्यक्ष का इंतजार : रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद ही शिकायतों के निराकरण, अवैध परियोजनाओं पर कार्रवाई और लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी आ सकेगी। फिलहाल रेरा में प्रोजेक्टों के पंजीयन का काम जारी है, लेकिन उपभोक्ताओं को न्याय मिलने की रफ्तार धीमी पड़ गई।

बैठक में फैसला : श्रमिकों के सौ मेधावी बच्चों को मिलेगी छात्रवृत्ति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने नई पहल की है। सरकार ने श्रमिकों के बच्चों के लिए 'मेधा छात्र उन्नयन छात्रवृत्ति योजना' शुरू करने का निर्णय लिया है। योजना के तहत मध्यप्रदेश बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 100 मेधावी विद्यार्थियों को 7,500 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह निर्णय चिभागीय मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा ली गई श्रमिक कल्याण मंडलों की समीक्षा बैठक में लिया गया। बैठक में मंत्री ने कहा कि श्रमिकों और उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम है। इसी उद्देश्य से मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही श्रमिकों के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए प्रदेश के 422 संस्थानों में योग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बैठक में श्रमिकों के लिए नई

स्वास्थ्य सहायता योजना, सुरक्षित परिवहन व्यवस्था और डिजिटल माध्यमों से योजनाओं की निगरानी को भी मंजूरी दी गई। सरकार का लक्ष्य श्रमिक परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अधिक सशक्त बनाना है।

मेट्रो एंकर

भेल कर्मियों के लिए दस दिन का योग शिविर शुरू

मानसिक मजबूती और भावनात्मक सेहत को बढ़ावा देता योग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है, जो लंबे समय तक शारीरिक फिटनेस, मानसिक मजबूती और भावनात्मक सेहत को बढ़ावा देता है।

ये विचार भेल के जनरल मैनेजर टीयू सिंह ने मानव संसाधन विकास केंद्र डेवलपमेंट सेंटर के आयोजित दस दिन के योग शिविर के शुभारंभ पर कही। कार्यक्रम की शुरूआत सूर्य नमस्कार के माध्यम से योग के साथ हुई। उन्होंने कर्मचारियों को अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करने और वेलनेस को अपनी जीवन शैली का एक

अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले, एजीएम आरिफ अहमद सिद्दीकी ने स्वस्थ, उत्पादक और मजबूत कार्यबल बनाने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रबंधक उमेश कुमार सावले ने फैकल्टी, योगाचार्य अमृत बिंदु का स्वागत पौधे भेंट करके किया। कर्मचारियों को संबोधित करते बिंदु ने नियमित अभ्यास के माध्यम से लचीलापन बढ़ाने, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, एकाग्रता में सुधार करने और जागरूकता के उच्च स्तर को प्राप्त करने में सूर्य नमस्कार के महत्व के बारे में बताया।

इस 10 दिनों में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए स्वस्थ जीवन के लिए योग का अभ्यास, प्राकृतिक चिकित्सा और योग प्रोटोकॉल, स्वास्थ्य देखभाल और पोषण, अच्छी दृष्टि के लिए त्राटक-योग, योग और स्वास्थ्य फिट और स्वस्थ कैसे रहें, आसन और शारीरिक, भावनात्मक और पेशेवर स्वास्थ्य के लिए ध्यान और मुद्राएं जैसे सत्र शामिल हैं। ये सत्र योगचार्य बिंदु, जगदीश प्रसाद मारवी, डॉ. अनिमेष तिवारी, रामकृष्ण तनिकेला आदि आयोजित होंगे। कार्यक्रम का संचालन और समन्वय तरुण कुमार कौशिक, प्रबंधक ने किया।

महाराणा प्रताप के आदर्श अब पहुंचेंगे हर छात्र तक, सीएम डॉ. यादव का ऐलान

स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल होगी वीर शिरोमणि की जीवनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर भोपाल के महाराणा प्रताप नगर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाराणा प्रताप को राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और अदम्य साहस का प्रतीक बताते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनकी जीवनी को अब स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों और संघर्षों का सामना किया, लेकिन कभी भी अपने लक्ष्य और आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। उन्होंने हर परिस्थिति में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को सर्वोपरि रखा। समाज का प्रत्येक वर्ग उन्हें देश की अस्मिता और सम्मान के रक्षक के रूप में देखता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड का गठन किया है। इसी बोर्ड के माध्यम से राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया है। सरकार महापुरुषों की विरासत को संरक्षित करने और उनकी गौरवगाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम और महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड मिलकर महाराणा प्रताप के स्वर्णिम इतिहास को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करेंगे।

युवाओं को सेना और पुलिस भर्ती के लिए मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से संचालित 'पार्थ योजना' के अंतर्गत युवाओं को सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने घोषणा की कि क्षत्रिय समाज के युवाओं को भी इस योजना के तहत व्यवस्थित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही इंटर्नशिप और रोजगार के अवसरों के लिए भी विशेष पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र राज्य है जिसने महाराणा प्रताप जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन के प्रेरक प्रसंगों को स्कूली शिक्षा का हिस्सा बनाकर युवाओं में देशभक्ति, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की भावना विकसित की जाएगी।

युवाओं से राष्ट्र निर्माण में योगदान का आह्वान

मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप के संघर्षमय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने मातृभूमि, संस्कृति और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया। घास की रोटियां खाने जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने कभी पराधीनता स्वीकार नहीं की। उन्होंने युवाओं से महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह में पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल महापौर मालती राय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजजन और नागरिक उपस्थित रहे।

50 से 200 रुपये क्विंटल तक शुल्क बढ़ने से किसानों को भी कम दाम मिलेंगे

मध्यप्रदेश में अब कृषि उपज पर 1.70 फीसदी मंडी शुल्क लगेगा, व्यापारियों में भड़का आक्रोश

भोपाल/उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने बीते सप्ताह कृषि उपज पर 0.50 फीसद मंडी शुल्क बढ़ाने का फैसला ले लिया है। प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में मंडी शुल्क 1.50 फीसद लागू हो गया है। अब 0.20 फीसद निराश्रित शुल्क के साथ व्यापारियों को कृषि उपज खरीदी पर 1.70 फीसद मंडी शुल्क देना होगा। बता दें अब तक 1.20 फीसद शुल्क लगता था। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के व्यापारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि देश के अन्य कृषि उपज उत्पादक प्रदेशों में मंडी शुल्क काफी कम है। ऐसे में प्रदेश के व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा में व्यापार करने में तकलीफ पड़ेगी। व्यापार चौपट हो जाएगा।

अफसरशाही तथा बेनामी व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। मध्य प्रदेश अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल ने बताया कि मंडी शुल्क में बढ़ोतरी व्यापारियों के साथ ही किसानों के लिए नुकसानदायक साबित होगी। विभिन्न किस्म की उपज के भाव के आधार पर 50 रुपये क्विंटल से लेकर 200 रुपये क्विंटल तक मंडी शुल्क देना पड़ेगा। इसका असर किसानों की उपज के भाव पर पड़ेगा तथा बेनामी व्यापार की आशंका होगी। मंडी समितियों में कृषि उपज पर मंडी शुल्क लेने का मतलब उस शुल्क से किसानों तथा व्यापारियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है, लेकिन सरकार शुल्क तो बढ़ा रही है सुविधाएं कम कर रही है।

मंडियों में खरीदी कम हो जाएगी

उज्जैन मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल ने मंडी शुल्क बढ़ोतरी को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि उज्जैन सहित प्रदेश की मंडियों में शुल्क बढ़ोतरी के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों की कृषि उपज खरीदी कम हो जाएगी। देश की अन्य प्रदेश की मंडियों में खरीदी करने लगेंगे। क्योंकि प्रदेश से समीप स्थित महाराष्ट्र, गुजरात तथा राजस्थान जैसे प्रदेशों में कृषि उपज में मंडी शुल्क 0.50 से 1 फीसद है। ऐसे में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा करने में तकलीफ पड़ेगी। संघ सचिव हजारीलाल मालवीय ने बताया कि उज्जैन मंडी में सोयाबीन गेहूं तथा डॉलर चना अच्छी मात्रा में आता है। शुल्क बढ़ोतरी के बाद उपज के भाव के आधार पर मंडी शुल्क भारी भरकम हो जाएगा, जिससे किसानों की उपज के भाव भी कम मिलेंगे।

आंदोलन की तैयारी

जानकारी के अनुसार प्रदेश स्तर पर व्यापारियों द्वारा मंडी शुल्क बढ़ाए जाने को लेकर आंदोलन की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि आगामी दो दिनों में इंदौर में मंडी के व्यापारियों द्वारा एक बैठक आयोजित कर सरकार से मंडी शुल्क कम करने की मांग को लेकर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

निराश्रित के नाम पर जबरिया वसूली

बीते 54 साल से प्रदेश की कृषि मंडियों में व्यापारियों से मंडी समिति 0.20 फीसद निराश्रित शुल्क के नाम पर लाखों रुपये सालाना जबरिया वसूली कर रही है। जानकारी के अनुसार 1972 में बांग्लादेश बनने के दौरान निराश्रित बंगालियों के लिए प्रदेश सरकार ने कृषि उपज मंडी शुल्क पर 0.20 फीसद मंडी शुल्क लागू किया था। इस शुल्क का उपयोग निराश्रित बंगालियों की सुविधाओं के लिए किया जाना था। अब यह शुल्क मंडियों के जिला प्रशासन कार्यालय में लाखों रुपये सालाना जा रहा है। इसका उपयोग क्या होता है। जानकारी अभी तक नहीं है। ऐसे में व्यापारियों की मांग है कि निराश्रित शुल्क को खत्म किया जाए। बता दें देश में प्रदेश की मंडियों के अलावा कहीं भी यह शुल्क लागू नहीं है। वरिष्ठ व्यापारी संतोष गादिया, सतीश राजवानी के अनुसार 50 साल बाद भी निराश्रित शुल्क जारी रखना व्यापारियों के साथ अन्याय है। चुनाव के दौरान अनेक बार राजनीतिक संगठन के नेताओं द्वारा इस शुल्क को समाप्त करने का वादा किया जाता है, लेकिन अभी तक नहीं हटाया।

प्रदेश में 17000 से अधिक स्थानांतरण हुए

एक दिन की छूट मिली तो ढाई हजार तबादले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मोहन यादव सरकार द्वारा तबादलों में दी गई छूट के बाद प्रदेश में 16 दिन के अंतराल में 17000 से अधिक ट्रांसफर हुए हैं। अकेले करीब ढाई हजार ट्रांसफर तो 16 जून को हुए हैं जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग के तबादला आदेश जारी होना बाकी है क्योंकि इस विभाग में अभी ऑनलाइन आवेदन लेने की प्रक्रिया चल रही है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 15 जून को तबादला अवधि खत्म होने के बाद मंत्रियों के डिमांड पर एक दिन के लिए तबादला करने की छूट दी थी। मंगलवार की रात 12 बजे तक दी गई रियायत के बाद करीब 11 घंटे के अंतराल में विभागों की ओर से करीब ढाई हजार स्थानांतरण किए गए हैं जिसमें जिला और राज्य स्तर के तबादले शामिल हैं।

16 जून को जिन विभागों में स्थानांतरण किए गए हैं उसमें आबकारी विभाग, जेल विभाग, वन विभाग, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, वाणिज्यिक कर विभाग, पंजीयन और मुद्रांक विभाग, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के अलावा नगरीय विकास और आवास विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, पर्यावरण विभाग शामिल है।

इसी तरह राजस्व विभाग, भू संसाधन साधन विभाग, पीएचई विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, महिला और बाल विकास विभाग ,आयुष विभाग, किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास व रोजगार विभाग, सहकारिता विभाग समेत अन्य विभागों में भी व्यापक तबादले किए गए हैं।

राज्य स्तर पर विभागवार तबादले

शासन द्वारा तबादलों की विभागवार जानकारी ही एकत्र की जाती है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा तबादला नीति जारी की जाती है, लेकिन किस विभाग में कितने तबादले हुए, इसका रिकार्ड नहीं रखा जाता है।

राजस्व विभाग में 400

- नगरीय विकास और आवास विभाग में 900
- पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में 1100
- लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग में 1700
- जनजातीय कार्य विभाग में 1200
- लोक निर्माण विभाग में 500
- वन विभाग में 200 स्थानांतरण किए गए हैं।

18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को निजी हाथों में देने की तैयारी

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण पर सियासी बवाल, सिंघार ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। राज्य सरकार द्वारा रीवा, गुना और देवास जिलों के 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत संचालित करने के फैसले पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया है कि वह राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को धीरे-धीरे निजी हाथों में सौंपने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली

सरकार के इस फैसले के तहत इन 18 सीएचसी का संचालन निजी कंपनियों के माध्यम से किया जाएगा। इन कंपनियों को डॉक्टरों की नियुक्ति से लेकर मरीजों के इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन तक की जिम्मेदारी दी जाएगी। सरकार का दावा है कि ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

सिंघार ने सरकार पर लगाए यह भी आरोप

वहीं, उमंग सिंघार ने इस निर्णय पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पहले सरकारी अस्पतालों को कमजोर करती है, फिर डॉक्टरों की भर्ती में लापरवाही बरतती है और अंत में निजीकरण को ही समाधान के रूप में पेश करती है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य सेवाओं को ठेके पर देने की नीति बताया।

ऑनलाइन पोर्टल में कमियों के कारण हजारों पास आउट युवाओं का भविष्य अधर में लटका

काउंसिल के अनुसार नाम, जन्मतिथि और गलत दस्तावेज अपलोड होने से आ रही दिक्कत

एमपी फार्मेसी काउंसिल का वो डिजिटल सच, जिसने हजारों युवाओं के रोजगार पर खड़ा कर दिया संकट!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के ऑनलाइन पंजीयन सिस्टम की कमियों ने हजारों युवाओं का भविष्य अधर में लटका दिया है। ऑनलाइन शुल्क देकर सभी जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के बावजूद इस सिस्टम में पंजीयन व लाइसेंस के आवेदन महीनों से लंबित पड़े हैं। लाइसेंस नहीं मिलने से युवा न मेडिकल स्टोर खोल पा रहे हैं और न ही अस्पतालों या फार्मा कंपनियों में नौकरी कर पा रहे हैं। रोजाना बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भोपाल स्थित काउंसिल कार्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। प्रभावित युवाओं का दावा है कि वर्ष 2022-23 बैच के पांच हजार से अधिक आवेदन अब भी लंबित हैं। आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देखने पर कोई प्रगति दिखाई नहीं देती। कई बार दस्तावेज दोबारा अपलोड करने और सुधार कराने के बाद भी फाइल आगे नहीं बढ़ रही। इससे युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। फार्मेसी की डिग्री या डिप्लोमा लेने के बाद रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस अनिवार्य होता है। इसके बिना मेडिकल स्टोर का संचालन नहीं किया जा सकता और अधिकांश अस्पतालों व दवा कंपनियों में भी नियुक्ति नहीं मिलती।

युवाओं की आपबीती

जबलपुर से आए विदित तिवारी ने बताया कि दो साल पहले आवेदन किया था, लेकिन आज तक लाइसेंस नहीं बना। सभी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड कर दिए हैं, फिर भी हर बार कोई नई कमी बताकर लौटा दिया जाता है। एमपी ऑनलाइन केंद्र से फिर से दस्तावेज अपडेट कराने के लिए कहा गया है। ग्वालियर की नेहा शर्मा ने बताया कि बी. फार्मा करने के बाद कई जगह नौकरी के लिए आवेदन किया, लेकिन लाइसेंस नहीं होने के कारण मौका नहीं मिला। पोर्टल पर आवेदन लंबित दिख रहा है और काउंसिल कार्यालय से भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही। रीवा के आदित्य पटेल ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले आवेदन किया था। नाम और जन्मतिथि में सुधार कराने के बाद भी लाइसेंस जारी नहीं हुआ।

नाम और दस्तावेज की गलतियां भी बन रहीं वजह | काउंसिल के अनुसार कई मामलों में आवेदन गलत भरे गए हैं। नाम, उपनाम, जन्मतिथि और दस्तावेज में त्रुटियां होने के कारण ऑनलाइन सत्यापन के दौरान आवेदन निरस्त हो रहे हैं। हालांकि छात्रों का कहना है कि छोटी-छोटी त्रुटियों के समाधान के लिए भी उन्हें बार-बार भोपाल बुलाया जा रहा है, जबकि ऑनलाइन व्यवस्था का उद्देश्य यह परेशानी खत्म करना था।

लाड़ली बहनों के लिए खुशखबरी

टाइगर फाउंडेशन-डब्ल्यूसीएल के बीच हुए महत्वपूर्ण एमओयू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में मप्र टाइगर फाउंडेशन और डब्ल्यूसीएल के बीच 2 महत्वपूर्ण एमओयू हुए हैं। इनका उद्देश्य नर्मदापुरम स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व तथा सिवनी स्थित पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण को समर्थन प्रदान करना है। समझौतों के अंतर्गत सतपुड़ा एवं पेंच टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण और आवास प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इनमें वॉच टावरों का निर्माण, वन गश्ती अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण, सौर ऊर्जा आधारित जल प्रणालियों की स्थापना, आक्रामक वनस्पति प्रजातियों का उन्मूलन तथा देशज घास भूमियों का पुनर्स्थापन शामिल है। ये समझौते दोनों टाइगर रिजर्व में जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन की स्थितियां बेहतर करने सहायक होंगे। इस अवसर पर डब्ल्यूसीएल प्रबंधन ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कंपनी अपनी सीएसआर के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण तथा भारत की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण में निरंतर सार्थक योगदान दे रही है। डब्ल्यूसीएल के प्रतिनिधियों ने कहा कि अपने अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों के दूरदर्शी नेतृत्व में कंपनी सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण एवं समुदाय-केंद्रित प्रभावी पहलों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मेट्रो एंकर | साइबर ठगों पर वार, जनता होगी सतर्क!

मध्यप्रदेश में 24 जून से शुरू होगा सेफ क्लिक 2-0 अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइबर अपराधों पर लगाम लगाने और लोगों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए मप्र पुलिस बड़ी पहल करने जा रही है। दरअसल विभाग द्वारा 24 जून से 8 जुलाई तक पूरे प्रदेश में जन जागरुकता अभियान सेफ क्लिक 2-0 चलाया जाएगा। इस अभियान का मकसद साइबर सुरक्षा को जनआंदोलन का रूप देना और समाज के हर वर्ग तक ऑनलाइन ठगी व साइबर अपराधों से जागरुक कराना है। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सभी जोनल महानिरीक्षकों और जिला पुलिस अधीक्षकों को अभियान को प्रभावी और जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए निर्देश दिए हैं।

डीजीपी ने स्पष्ट किया कि साइबर अपराधों के लगातार बदलते स्वरूप को देखते हुए नागरिकों को नियमित रूप से जागरूक करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अभियान को मिशन मोड में संचालित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फरवरी 2025 में चलाए गए साइबर जागरूकता अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए थे और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में कमी दर्ज की गई थी।

स्कूल, कॉलेज और बाजारों तक पहुंचेगा साइबर सुरक्षा संदेश- अभियान के दौरान प्रदेशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों, शहरी क्षेत्रों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर भी लोगों को साइबर ठगी के

संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत दें सूचना

मध्यप्रदेश पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि, फर्जी लिंक, साइबर ठगी या धोखाधड़ी से जुड़े संदेशों की जानकारी तुरंत पुलिस और साइबर हेल्पलाइन को दें। सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाकर ही साइबर अपराधों से बचाव संभव है और इसी जनभागीदारी से 'साइबर सुरक्षित मध्यप्रदेश' का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

'स्कैम हैकथॉन' और साइबर मेले होंगे आकर्षण का केंद्र

अभियान को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए कई नवाचार गतिविधियां भी शामिल की गई हैं। जागरूकता रथों के माध्यम से जनसंदेश प्रसारित किए जाएंगे, साइबर सुरक्षा मेले लगाए जाएंगे और युवाओं को जोड़ने के लिए 'स्कैम हैकथॉन' जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा नागरिकों को साइबर सुरक्षा शपथ दिलाई जाएगी तथा 'मानव क्यूआर कोड' जैसी अभिनव गतिविधियों के जरिए साइबर सुरक्षा के संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

नदियों की बढ़ती तपिश

जलवायु परिवर्तन को लेकर वर्षों से चेतावनियां दी जाती रही हैं। कभी सूखे के रूप में, कभी बाढ़ के रूप में और कभी असामान्य मौसम की घटनाओं के रूप में उसके संकेत हमारे सामने आते रहे हैं। लेकिन अब संकट ने एक ऐसा रूप धारण करना शुरू कर दिया है, जिसे न आंखें आसानी से देख सकती हैं और न ही समाज उतनी गंभीरता से महसूस कर पा रहा है। यह संकट है नदियों के बढ़ते तापमान का-एक ऐसी अदृश्य लू, जो जलधाराओं के भीतर बह रही है और जीवन की सबसे बुनियादी प्रणालियों को प्रभावित कर रही है। नदियां केवल पानी की धाराएं नहीं होतीं। वे सभ्यताओं की स्मृति, कृषि की आधारशिला और करोड़ों लोगों की जीवनरेखा होती हैं। सदियों से उन्होंने मौसम की मार झेली, बाढ़ और सूखे देखे, लेकिन आज वे जिस चुनौती का सामना कर रही हैं, वह अभूतपूर्व है। बढ़ते वैश्विक तापमान ने नदी पारिस्थितिकी के संतुलन को झकझोरना शुरू कर दिया है। जल का तापमान बढ़ने से जलीय जीवों का जीवनचक्र प्रभावित हो रहा है, जैव विविधता कमजोर पड़ रही है और पानी की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल असर दिखाई देने लगा है। सबसे अधिक चिंता हिमालयी नदी तंत्र को लेकर है। हिमालय को एशिया का जल भंडार कहा जाता है, क्योंकि यहीं से निकलने वाली नदियां करोड़ों लोगों की प्यास बुझाती हैं और विशाल कृषि अर्थव्यवस्था को जीवन देती हैं। लेकिन यही हिमालय आज तेजी से गर्म हो रहा है। ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं, बर्फ की परतें कमजोर पड़ रही हैं और नदियों में गाद का दबाव बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप नदियां अपने पुराने मार्ग छोड़ रही हैं, किनारों का क्षरण तेज हो रहा है और जल प्रवाह का स्वभाव बदलता जा रहा है। यह परिवर्तन केवल भूगोल का नहीं, बल्कि भविष्य की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जब नदी का तापमान बढ़ता है, तो उसका असर खेतों तक पहुंचता है, मत्स्य संसाधनों तक पहुंचता है और अंततः मानव जीवन तक भी पहुंचता है। दुर्भाग्य यह है कि यह संकट बाढ़ की तरह शोर नहीं मचाता और न ही सूखे की तरह तत्काल दिखाई देता है। इसलिए इसकी भयावहता अक्सर हमारी प्राथमिकताओं में पीछे छूट जाती है।

आईआईटी की दहलीज पर बेटियों की रिकॉर्ड दस्तक और भविष्य की तस्वीर

प्रतिभा कुशवाहा
स्तंभकार

हाल ही में जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में लड़कियों की शानदार सफलता की जो खबरें आई हैं, उसने एसटीईएम (स्टेम) यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं के भविष्य की तस्वीर साफ होने लगी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आधी आबादी के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। देश में इंजीनियरिंग यानी आईआईटी में शिक्षा एक पुरूष प्रधान क्षेत्र बना हुआ है। हमारे घरों में जो बच्चियों की शिक्षा को लेकर मुखर हैं, वे भी अपने बेटों को इंजीनियर और बेटियों को डाक्टर बनाना पहली प्राथमिकता में रखते हैं। फिर भी यह सफलता हमारे घरों की बदलती सोच और आर्थिक व्यवस्था के कुछ सुराग तो दे ही रहा है।

चार जून को प्रकाशित हुए अखबारों में प्रमुख रूप से इस खबर को प्रकाशित किया कि इस बार जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में पहली बार लगभग 10,000 लड़कियों ने पास की है। इस परीक्षा में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए जिनमें से 10,107 सफल लड़कियां शामिल हैं। इन आकड़ों में लगभग चार अभ्यर्थियों में से एक अभ्यर्थी लड़की है। यह ऐतिहासिक सफलता केवल परीक्षा परिणामों का आंकड़ा मात्र नहीं है, वरन हमारे समाज में शिक्षा, अवसर और लैंगिक समानता के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। यह सफलता महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में एक 'पुश' के तौर पर देखा जा रहा है।

आज एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और नई तकनीकों ने पूरे समाज, संस्कृति और अर्थिकीय को अपने आगोश में ले रखा है, इससे आधी आबादी का दूर रहना एक बहुत बड़े सामाजिक असंतुलन के रूप में सामने आ सकता है। ऐसे में जेईई एडवांस्ड-2026 के परिणाम भविष्य में देश की नई तस्वीर का निर्माण कर सकते हैं। हालांकि अभी भी शीर्ष रैंकों और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। मात्र इस तरह की और भी सफलताओं से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। महिलाओं के जीवन में इतने पड़ाव आते हैं कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में पढ़ने-लिखने के बाद भी अपना योगदान देने से वे वंचित रह जाती हैं। आर्थिक तौर पर यह पढ़ाई महंगी होती है, देश इन क्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई तरह की आर्थिक सहायता भी देता है। अगर कार्यक्षेत्र तक महिलाएं आगे नहीं आ सकेंगी, तो नुकसान हमारे समाज और देश का ही ज्यादा होगा।

जनवरी, 2026 को राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार देश में उच्च शिक्षा स्तर स्टेम विषयों में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 43 फीसदी है। इसी तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुसंधान और विकास सांख्यिकी रिपोर्ट-2023 के अनुसार देश में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में स्टेम पेशेवरों के रूप में कुल महिला कार्यबल की हिस्सेदारी 18.6 फीसदी है। इनमें से 45.8 फीसदी सरकारी संस्थानों में, 27.6 फीसदी उच्च शिक्षा क्षेत्र में और 26.5 फीसदी औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इन आंकड़ों से भी पता चल रहा है कि जितनी महिलाएं स्टेम विषयों को लेकर अपना करियर बनाने का पथ चुन रही हैं, उतनी महिलाओं कार्यक्षेत्र तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

यूनेस्को का अपनी रिपोर्ट में मानना है कि भारत में एसटीईएम ग्रेजुएट में महिलाओं की भागीदारी 43 फीसदी है, जबकि इन क्षेत्रों में उनकी नौकरियों में भागीदारी मात्र 14 फीसदी है। तो प्रश्न उठता है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ी हुई महिलाएं गुम कहां हो जाती हैं? क्या समाज और संस्कृति की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराएं और मान्यतागत भेदभाव कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार में बाधा बन जाते हैं। पारंपरिक जेंडर भूमिकाएं इस क्षेत्र में करियर बना रही महिलाओं को बहुत हद तक हतोत्साहित करते हैं, क्योंकि यह क्षेत्र महिलाओं से अधिक समय और प्रतिबद्धता की मांग करता है। कई परिवार चाहते हैं कि उनकी बहु और बेटी इस क्षेत्र में पढ़े तो, पर रिसर्च की जगह वह टीचिंग जैसा स्थिर और स्मूथ करियर ऑप्शन चुनें। जेंडर सेंसटिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी भी कार्यस्थल पर महिलाओं को यह क्षेत्र छोड़ने पर मजबूर कर देती हैं। यही स्टीरियोटाइप सोच इंजीनियरिंग और फिजिक्स को पुरुष प्रधान क्षेत्र बना देती है। सिस्टम में इतने लूपहोल होने के बावजूद यदि इन क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता की बात की जाए, तो 2013 का मंगल मिशन और 2019 का चंद्रयान-2 मिशन अपनी एक अलग ही ऐतिहासिक उपलब्धि से हमें गौरवान्वित करता है। चंद्रयान-2 मिशन की कमान संभालने वाली दो महिला वैज्ञानिक ऋतु करीधल और एम. वनिता को कौन भूल सकता है। इसरो की वैज्ञानिक ऋतु करीधल चंद्रयान-2 मिशन की डायरेक्टर थीं और एम. वनीता इस मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर। इनकी अथक मेहनत का फल है कि आज देश अंतरिक्ष क्षेत्र में इतनी बड़ी उपलब्धि को सेलिब्रेट कर सका। इससे पहले 2013 में मंगल मिशन की सफलता का जश्न देश मना चुका है। इस मिशन में आठ महिला वैज्ञानिकों ने अपनी खास भूमिका निभाई थी। इस विषय को आधार बनाकर एक फिल्म 'मिशन मंगल' भी बन चुकी है।

चंद्रयान-2 मिशन में इन दो महिला वैज्ञानिक के अलावा और भी महिला वैज्ञानिकों का साथ मिला। इस प्रोजेक्ट में 30 फीसदी महिला वैज्ञानिकों की अथक परिश्रम शामिल है। चंद्रयान-2 मिशन में मौमिता दत्ता, नंदिनी हरिनाथ, एन. वलारमथी, मीनल संपथ, कीर्ति फौजदार और टेसी थॉमस जैसी दूसरी महिला वैज्ञानिक शामिल हैं। इस उपलब्धि को बांटते हुए इसरो के चेयरमैन के. सिवन ने उस समय मीडिया से कहा था कि हम पुरुष और महिला वैज्ञानिकों में अंतर नहीं समझते हैं। जो भी सक्षम होता है, उसे बेहतरीन काम सौंपा जाता है। यहीं सवाल उठता है तो फिर महिलाओं की इस सक्षमता को 'ब्रेक' कौन लगा जाता है?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बेगुनाहों के खून से लाल हो रही देश की सड़कें, कड़े कदम उठाना जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

देश की सड़क बेगुनाहों के खून से लाल हो रही हैं। देश में सड़क हादसों के कारण हर साल करीब 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एक साल में देशभर में 4.80 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हर घंटे औसतन 20 लोगों की जान चली जाती है। भारत में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में 1,77,175 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में औसतन हर दिन लगभग 485 लोग और हर घंटे 20 से अधिक लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं।

भारत में पिछले कुछ वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों का ग्राफ लगातार बढ़ा है। देशभर में 4,87,707 सड़क हादसे दर्ज किए गए। इन हादसों में 1,77,175 लोगों ने जान गंवाई, जो 2023 (1,72,890 मौतें) के मुकाबले 2.5% अधिक है। साल 2024 में इन दुर्घटनाओं के कारण 4,71,441 लोग घायल हुए हैं। विश्व में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में विशेष रूप से गरीब और विकासशील देशों के लोगों की संख्या में अविश्वसनीय वृद्धि हुई है और इनमें से भी प्रत्येक 5 में से 1 मौत भारत में होती है।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में हर घंटे होने वाली लगभग 56 सड़क दुर्घटनाओं में 20 लोगों की जान जाती है। इसी कारण भारत को सड़क दुर्घटनाओं की राजधानी भी कहा जाने लगा है। स्थिति की गंभीरता पिछले मात्र दो तीन दिन की अखबारों में प्रकाशित हादसों की खबरों से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है :5 जून को वैष्णो देवी से श्रद्धालुओं को लेकर आ रही एक पिक-अप गाड़ी और ट्रक की टक्कर में 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।6 जून को फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव जंगाला मोड़ के निकट एक पिकअप गाड़ी तथा घोड़ा ट्राले में टक्कर के परिणामस्वरूप 10 लोगों की मौत तथा अनेक घायल हो गए।7 जून को रोपड़ (पंजाब) जिले में भारतगढ़ के निकट एक कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। 7 जून को ही शाहाबाद-पिपली जी.टी. रोड पर एक बेकाबू ट्राले ने एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया जिससे उस पर सवार मोहाली नगर निगम के 2 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई।8 जून को औरंगाबाद (बिहार) में 4 सड़क दुर्घटनाओं में 9 लोगों की जान चली गई तथा अनेक घायल हो गए।8 जून को ही फगवाड़ा में एक मोटरसाइकिल, 2 कारों और एक ट्रक की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार और उसकी 7 वर्षीय बेटी की घटनास्थल पर ही मौत तथा उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

9 जून को शंभू (राजपुरा, पंजाब) में एक ट्रक ड्राइवर ने 2 लोगों को रौंद डाला जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।9 जून को ही चहेड़ (फगवाड़ा, पंजाब) में एक्टिवा पर सवार 2 युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई।9 जून को ही लुधियाना (पंजाब) में एक कंटेनर के चालक ने तेज रफ्तार से उसे बैंक करने की कोशिश में एक मजदूर को रौंद दिया।10 जून को देहरादून (उत्तराखंड) में झाड़पानी क्षेत्र में एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई।10 जून को ही बेगोवाल (पंजाब) में सड़क दुर्घटना में एक कार बेकाबू हो कर पेड़ से टकरा गई जिससे एक दम्पति की मृत्यु हो गई।

10 जून को ही भीखी (पंजाब) में एक ट्राले की टक्कर ट से बाइक रेहड़े पर सवार 2 दोस्तों की जान चली गई।

11 जून को पुणे (महाराष्ट्र) में नवाले पुल से नीचे उतरते समय एक सीमेंट मिक्सर ट्रक बेकाबू होकर मोटरसाइकिल पर जा रहे एक डिलीवरी ब्वाय से टकरा गया जिससे उसकी मौत हो गई। 11 जून को ही गाँडा (उत्तर प्रदेश) में 2 मोटरसाइकिलों की टक्कर में घायलों की मदद करने पहुंचे लोगों को तेज रफ्तार एस.यू. वी. ने रौंद दिया जिससे 4 लोगों की मौत व 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।11 जून को ही फिरोजपुर (पंजाब) में मोटरसाइकिल पर जा रहे 3 युवकों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। 11 जून को ही पोत्थरैड्डीपालम (आंध्र प्रदेश) में एक कार बेकाबू होकर एक मकान से जा टकराई जिससे कार में सवार 5 मैडिकल के छात्रों सहित 6 लोगों की जान चली गई।11 जून को ही बुलढाणा (महाराष्ट्र) में ईंटों से लदे एक ट्रक तथा बस में आमने-सामने टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई।11 जून को ही फरीदकोट (पंजाब) में एक कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति व उसकी 2 बेटियों की मौत हो गई।अब 11 जून को ही चमोली में एक कार खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई।

हमारे देश में वाहनों की रफ्तार में वृद्धि के साथ दुर्घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। अतः यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यह सिलसिला आखिर कब थमेगा।सड़क हादसे का एक बड़ा कारण सड़कों में गड्ढे, हैड लाइटों का आधा काला नहीं होना, शहरी, ग्रामीण सड़कों या प्रादेशिक व राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए गति सीमा निर्धारित न होना, वाहन चालकों द्वारा शराब पीकर, मोबाइल पर बात करते हुए और बिना आराम किए लम्बे समय तक वाहन चलाना आदि प्रमुख हैं। इसके लिए प्रशासन भी जिम्मेदार है। लोगों को ड्राइविंग लाइसैंस जारी करने में भारी अनियमितताएं होती हैं। रिश्वत के बल पर लोग विधिवत ड्राइविंग टैस्ट दिए बिना ही ड्राइविंग लाइसैंस हासिल कर लेते हैं।

अतः इस सम्बन्ध में लापरवाही बरतने वाले ट्रैफिक पुलिस के स्टाफ और लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के साथ-साथ लोगों द्वारा वाहन चलाने में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

पेशाब में चुभन, धीमा पड़ गया फ्लो... हो सकता है किडनी स्टोन

जीवनशैली की खराब आदतों का असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। पानी की कमी, खानपान की आदतों, सुस्त जीवनशैली, मोटापा और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर के कारण किडनी की पथरी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पथरियों के कुछ मामलों में मरीज को लंबे समय तक कोई लक्षण महसूस नहीं होते हैं। जबकि, कुछ मरीजों को अचानक दर्द महसूस होने लगता है। यह समस्या पुरुष और महिला दोनों को हो सकती है। डॉ. परवेश जैन सीनियर डायरेक्टर यूरोलॉजी, रोबोटिक सर्जरी एंड रिनल ट्रांसप्लांट, मैक्स सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल बताते हैं कि यदि समय पर किडनी स्टोन का इलाज न किया जाए तो यह ब्लैडर और किडनी की अन्य गंभीर समस्या का कारण बन सकता है।

पेशाब में खून आना किडनी स्टोन का एक महत्वपूर्ण संकेत है। इस दौरान पेशाब का रंग गुलाबी, लाल, भूरा या चाय की तरह दिख सकता है। किडनी स्टोन की सतह खुरदरी होती है। ऐसे में जब ये स्टोन मूत्र मार्ग से गुजरते हैं, तो वे मूत्र मार्ग की नाजुक अंदरूनी परत को खरोंच सकते हैं या उसमें जलन पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से पेशाब करते समय खून आने लगता है। जैसे-जैसे किडनी स्टोन मूत्र मार्ग में नीचे की ओर खिसकता है, खासकर मूत्राशयऔर मूत्राशय के जोड़ के पास तब मरीज को पेशाब में जलन और दर्द महसूस होने लगती है। कई बार मरीज इस दर्द को यूटीआई समझ लेते हैं। किडनी स्टोन की वजह से होने वाली जलन के कारण यूरिनरी ट्रैक्ट में सूजन आ जाती है, जिससे पेशाब करते समय तकलीफ होती है। यह दर्द चुभन की तरह महसूस होता है।

गुर्दे की पथरी पेशाब के फ्लो को थोड़ा या पूर्ण रूप से रोक सकती है, जिससे पेशाब करने में कठिनाई या पेशाब की मात्रा में कमी हो सकती है। साथ ही, मरीजों को दबाव भी महसूस हो सकता है। इसमें पेशाब पूरी तरह से नहीं निकल पाता है, या बार-बार कोशिश करने के बावजूद पेशाब नहीं हो पाता है।

किडनी की पथरी से बचाव के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। डाइट में नमक का सेवन कम करें। शुगरी ड्रिंक्स का सेवन कम करें। प्रोसेस्ड फूड को डाइट में शामिल न करें। रेड मीट जैसे एनिमल प्रोटीन का सेवन संतुलित मात्रा में करें। मोटापे और वजन के कंट्रोल में करें और कैल्शियम का सेवन अधिक मात्रा में न करें। किडनी या यूरिन से जुड़े लक्षण दिखाई देने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

निशाना

हमारा बिगड़ा मुकद्दर है ..!

धर्मराज देशराज

हमारा बिगड़ा मुकद्दर है क्या किया जाए
कि दिल में दर्द का सागर है क्या किया जाए।
ज़माने भर की खुशी कैद में तुम्हारे हैं
कि तुमसे ग़म मेरा बढ़कर है क्या किया जाए।
पुकारते हैं मिरे लब कि तिश्नगी है बहुत
वो उनके हाथ में सागर है क्या किया जाए।
बहुत दिनों से ये महसूस कर रहा हूँ मैं
क्यूँ राहजन यहाँ रहबर है क्या किया जाए।
जुबां का उनकी ठिकाना नहीं कि क्या कह दे
अजीब ढंग का खंजर है क्या किया जाए।
क़सम उठाते हो सच्चाई के लिए यारो
लबों पे झूठ सरासर है क्या किया जा
हज़ार ऐब हैं मुझमे 'धरम' ज़माने ने
बना दिया मुझे रहबर है क्या किया जाए।

टेक्नो अपडेट

नए हो जाएंगे पुराने स्मार्टफोन, गूगल ने शुरू किया एंड्रॉयड 17 का रोलआउट

गूगल ने एंड्रॉइड 17 रोल आउट करना शुरू कर दिया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपग्रेड, कम्युनिकेशन टूल्स, सिक्योरिटी में सुधार और स्मार्टवॉच फीचर्स आए हैं। एंड्रॉयड का यह नया वर्जन सबसे पहले गूगल के अपने पिक्सल स्मार्टफोन में मिलेगा। साथ ही इसमें एक नया पिक्सल ड्रोप अपडेट भी है, जो गूगल के नए एआई मॉडल पर बेस्ड कई खास फीचर्स देता है।

कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कोई अलग से दिया गया फीचर नहीं मान रही है, बल्कि इसे स्मार्टफोन के पूरे एक्सपीरियंस का सबसे जरूरी हिस्सा बना रही है। अब कंटेंट बनाने, बातचीत करने, काम को आसान बनाने और पर्सनल असिस्टेंट की तरह मदद करने में यह सबसे मुख्य भूमिका निभाएगा। सबसे बड़े फीचर्स में से एक Google की लेटेस्ट AI टेक्नोलॉजी का सपोर्ट है। पिक्सल यूजर्स Gemini Omni, AudioLM और Lyria 3 जैसे नए मॉडल इस्तेमाल कर पाएंगे।

एआई के अलावा Android 17 में कॉल मैनेज करने का एक नया तरीका भी दिया गया है। अब यूजर्स एक पर्सनलाइज्ड ऑडियो ग्रीटिंग बना सकते हैं, जो तब सुनाई देगा जब वे आने वाली कॉल का जवाब नहीं दे पाएंगे। मल्टीटास्किंग को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया गया है। 'बबल बार' नाम का एक नया इंटरफेस एलिमेंट हाल ही में इस्तेमाल किए गए ऐप्स को स्क्रीन के नीचे की तरफ फ्लोटिंग बबल्स में दिखाता है, जिससे यूजर्स तेजी से अलग-अलग टास्क के बीच स्विच कर सकते हैं। कंपनी का कहना है कि इस फीचर को कई ऐप्स पर एक साथ काम करना ज्यादा आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

सिक्योरिटी पर भी दिया ध्यान

नए अपडेट में सिक्योरिटी और पैरेंटल कंट्रोल पर भी ध्यान दिया गया है। Android 17 में 'Find Hub' के अंदर 'Mark as Lost' का ऑप्शन जोड़ा गया है, जिससे खोए हुए डिवाइस को सुरक्षित करना यूजर्स के लिए आसान हो जाता है। Google ने नए थ्रेट डिटेक्शन प्रोटेक्शन और परिवारों के लिए बेहतर सेफ्टी टूल्स भी शामिल किए हैं। माता-पिता अब Google अकाउंट लिंक किए बिना ही PIN का इस्तेमाल करके स्क्रीन-टाइम लिमिट और कंटेंट पर रोक लगा सकते हैं।

वायरल कंटेंट

12 साल से ना बैठे, ना लेटे ये साधु महादेव की भक्ति में किया त्याग

भारत में साधु-संतों की तपस्या और त्याग की कहानियां सदियों से लोगों को आकर्षित करती रही हैं। कई संत कठिन व्रत और साधनाओं के जरिए अपनी आस्था को साबित करने का प्रयास करते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही तपस्वी की कहानी तेजी से चर्चा में है, जिसने अपनी अनोखी साधना के कारण लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दावा किया जा रहा है कि दुलाल गिरी जी महाराज नाम के एक साधु पिछले लगभग 12 वर्षों से लगातार खड़े रहकर तपस्या कर रहे हैं।

बताया जाता है कि दुलाल गिरी जी महाराज ने युवावस्था में ही सामान्य जीवन का रास्ता छोड़ दिया था। जहां ज्यादातर युवा उच्च शिक्षा और करियर बनाने में जुटे रहते हैं, वहीं उन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़कर आध्यात्मिक जीवन अपनाने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने स्वयं को भगवान शिव की भक्ति और साधना के लिए समर्पित कर दिया। उनकी तपस्या को लेकर सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उन्होंने वर्षों पहले एक कठिन संकल्प लिया था और उसी का पालन आज तक कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और दावों के अनुसार, उन्होंने प्रण किया कि जब तक उनकी साधना पूरी नहीं होगी, तब तक वे जमीन पर बैठेंगे या लेटेंगे नहीं। यही वजह है कि बीते कई वर्षों से उनका ज्यादातर समय खड़े होकर ही गुजर रहा है। लोगों के मन में यह सवाल भी उठता है कि आखिर वे आराम कैसे करते होंगे। बताया जाता है कि उन्होंने अपने लिए एक विशेष व्यवस्था बनाई है, जिसमें लकड़ी का एक सहारा जंजीरों की मदद से लटकाया गया है। विश्राम के दौरान वे उसी पर शरीर का कुछ भार टिकाकर खड़े-खड़े आराम करते हैं। हालांकि इतनी लंबी अवधि तक खड़े रहने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी दिखाई देने लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके पैरों में सूजन और शारीरिक तकलीफ साफ नजर आती है। लगातार दबाव के कारण उनके पैरों की स्थिति सामान्य लोगों की तुलना में काफी अलग हो चुकी है। आश्रम से जुड़े लोग नियमित रूप से उनकी देखभाल करते हैं और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराते हैं। इस कहानी के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोग इसे अटूट आस्था और समर्पण का उदाहरण बता रहे हैं, जबकि कुछ लोग इतने कठिन तप के स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों को लेकर चिंता जता रहे हैं। चाहे विचार अलग-अलग हों, लेकिन दुलाल गिरी जी महाराज की यह अनोखी साधना लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है और इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है।

न्यूज विंडो

कटनी जिले में 1 लाख से अधिक पेंशन हितग्राही पेंशन से वंचित

कटनी। प्रदेश के कटनी जिले में 1.06 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राही पिछले तीन महीने से पेंशन राशि से वंचित हैं। शासन स्तर से राशि का आवंटन न होने के कारण मार्च 2024 के बाद से इन हितग्राहियों के खातों में एक भी रुपया नहीं पहुंचा है। भीषण गर्मी में अपनी ट्राईसाइकिल और लाठी के सहारे बेसहारा लोग जनपद कार्यालयों और ग्राम पंचायतों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है।

शहडोल में बिना ठेके के जोरों पर चल रहा रेत का अवैध कारोबार

शहडोल। जिले में वर्तमान समय में किसी भी निजी कंपनी को रेत खदानों का वैध ठेका आवंटित नहीं है, इसके बावजूद खनिज गतिविधियों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि पूर्व में रेत खनन कार्य से जुड़ी कुछ कंपनियों के कर्मचारी और प्रतिनिधि आज भी विभिन्न शासकीय कार्यालयों के आसपास सक्रिय दिखाई देते हैं। सूत्रों के अनुसार खनिज विभाग, पुलिस थाना, वन विभाग तथा कलेक्टर कार्यालय के आसपास पूर्व ठेकेदार कंपनियों से जुड़े कुछ लोगों की लगातार मौजूदगी देखी जाती है। ऐसे में आम नागरिकों के मन में यह प्रश्न उठ रहा है कि जब वर्तमान में कोई ठेका संचालित नहीं है, तब इन लोगों की भूमिका आखिर क्या है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि रेत खनन और परिवहन से संबंधित समस्त गतिविधियां शासन और प्रशासन की निगरानी में संचालित हो रही हैं, तो पूर्व ठेकेदार कंपनियों के कर्मचारियों का हस्तक्षेप किस आधार पर जारी है। वहीं दूसरी ओर यह भी मांग उठ रही है कि जिला प्रशासन स्पष्ट करे कि वर्तमान में रेत के उत्खनन, भंडारण और परिवहन की निगरानी किस व्यवस्था के अंतर्गत की जा रही है। जानकारों का मानना है कि बिना ठेका अवधि में किसी भी प्रकार का अनधिकृत हस्तक्षेप न केवल पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े करता है बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर भी संदेह उत्पन्न करता है। हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी विभाग द्वारा आधिकारिक रूप से कोई टिप्पणी या पुष्टि नहीं की गई है।

छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में लिफ्ट के अंदर फंसा मरीज

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। अस्पताल में भर्ती एक गंभीर घायल मरीज को स्ट्रेचर के जरिए तीसरी मंजिल पर शिफ्ट किया जा रहा था, तभी लिफ्ट के अंदर बड़ा हादसा हो गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जो अस्पताल प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है।

जबलपुर के भेड़ाघाट में युवक को बकाया वेतन मांगना पड़ा भारी

जबलपुर। भेड़ाघाट क्षेत्र में एक युवक का बकाया वेतन मांगना उसके परिवार के लिए भारी पड़ गया। आरोप है कि वेतन को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने युवक के चाचा के साथ जमकर मारपीट की। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। पीड़ित ने पुलिस पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सारंगपुर में 55 वर्षीय मां और 30 वर्षीय बेटी की मौत से फैली सनसनी, पड़ताल जारी

सेप्टिक टैंक में थी बेटी की लाश, फंदे पर मिली मां, अकेला रोता मिला 10 माह का मासूम

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के सारंगपुर शहर के बगकुआं इलाके में स्थित लक्ष्मणदा की बाड़ी में बुधवार देर रात सामने आई एक हृदय विदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। घर के भीतर 30 वर्षीय विवाहिता बेटी का शव सेप्टिक टैंक में पड़ा था, जबकि उसकी 55 वर्षीय मां फांसी के फंदे पर लटकी पाई गई। घर में मौजूद 10 महीने का मासूम बच्चा अकेला लगातार रोता हुआ मिला है। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि, विवाहिता शीतल राठौर का ससुराल पक्ष से कुछ समय से विवाद चल रहा था। आशंका है कि, मानसिक तनाव के चलते उसने सेफ्टी टैंक में कूदकर आत्महत्या कर ली। बेटी की मौत से आहत होकर मां मधुबाला राठौर ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या की है। जानकारी ये भी सामने आई है कि, घटना के वक्त घर में सिर्फ मां, बेटी और उनका 10 महीने का बच्चा मौजूद था।

पिता और बेटा काम पर गए थे

परिवार के मुखिया अशोक राठौर, जो एमपीईबी में लाइनमैन हैं और पुत्र धीरज राठौर अपने - अपने कार्यस्थलों पर गए हुए थे। रात के वक्त जब धीरज घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। अंदर से बच्चे के रोने की आवाजें आ रही थीं। काफी आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खुलवाया गया। राठौर ने जब अंदर जाकर देखा तो मां और बेटी उन्हें मृत अवस्था में मिलीं।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

सूचना पर एसडीओपी अरविंद सिंह, थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। दोनों शवों को बरामद कर पंचनामा किया गया और दोनों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू की गई है। पुलिस आत्महत्या के कारणों और परिस्थितियों की पड़ताल शुरु कर दी है। पुलिस का कहना है कि, जल्द ही मौत के कारणों की पुष्टि की जाएगी। वहीं, एक ही घर में मां - बेटी की संदिग्ध मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

पति-पत्नी और वो... रेंजर की कांस्टेबल बीवी पहुंच गई होटल बाथरूम से गर्लफ्रेंड को पकड़ा

रीवा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के रीवा में एक रेंजर को उसकी पत्नी ने दूसरी महिला के साथ होटल में रंगे हाथों पकड़ लिया। जिसके बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। रेंजर किसी तरह वहां से निकलने का प्रयास करता रहा। वह बार-बार महिला के साथ भागने की कोशिश कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद बढ़ने पर रेंजर महिला के साथ वहां से गुजर रहे एक डंपर में बैठकर निकल गया। पति-पत्नी और वो का यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है. वहीं पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है. मामले की जांच जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, रेंजर का नाम बृजेंद्र पांडेय है। वह सतना जिले के बरौंधा सर्किल में पदस्थ हैं। उनकी पत्नी कांस्टेबल हैं और वह भी सतना जिले में ही पदस्थ हैं। रेंजर रीवा के रॉयल इन होटल में दूसरी महिला के साथ पहुंचे थे। पत्नी को इसकी सूचना मिल गई। जिसके बाद पत्नी सीधे होटल पहुंची और उनके कमरे में दाखिल हो गई। पहले तो बृजेंद्र पांडेय कमरे में किसी और के होने से इनकार करते रहे लेकिन पत्नी ने बाथरूम में महिला को पकड़ लिया। जिसके बाद होटल में हंगामा होने लगा। पत्नी महिला को कमरे से बाहर लेकर आई और पति के साथ संबंध को लेकर सवाल-जवाब करने लगी. दोनों के बीच बहस होने लगी. मौके पर लोग जमा होने लगे। लोगों ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विवाद बढ़ने पर रेंजर बृजेंद्र पांडेय महिला के साथ जाने की कोशिश करने लगे। इस दौरान मौका पाते ही दोनों वहां से एक डंपर में बैठकर निकल गए। दोनों के चले जाने के बाद पत्नी काफी देर तक होटल में हंगामा करती रही।

सुरक्षा बलों ने की रिहर्सल, दो बार सेना का हेलीकॉप्टर भी उतरा, ट्रैफिक भी रोका

खंडवा। दोपहर मेट्रो

भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू आज खंडवा के ओंकारेश्वर आएंगी। राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्पेशल फोर्स, अर्द्ध सैनिक बलों और स्थानीय पुलिस की तैनाती एक दिन पहले ही कर दी गई है। सुरक्षा बलों ने राष्ट्रपति के आगमन को लेकर हेलीपेड से लेकर एनएचडीसी गेस्ट हाउस, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर तक रिहर्सल भी की। सेना के हेलीकॉप्टर भी दो बार कोठी हेलीपेड पर उतरे। रिहर्सल के दौरान यातायात भी रोका गया।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के आगमन को लेकर बुधवार को सुरक्षा बलों और प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग पर रिहर्सल कर सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। निर्धारित मार्ग पर जगह-जगह पुलिस जवान तैनात किए गए, यातायात रोककर कारकेड में शामिल 25 से 30 गाड़ियों के काफिले के साथ रिहर्सल की। एक घंटे तक कोठी हेलीपेड से एनएचडीसी गेस्ट हाउस, ओंकारेश्वर मंदिर तक यातायात को रोका गया। इस दौरान मोरटक्का और सनावद की ओर से आने वाले वाहनों को भी रोका गया। सेना के हेलीकॉप्टर ने भी सुबह-सुबह दो बार कोठी हेलीपेड पर लैंडिंग का अभ्यास किया। हेलीकॉप्टर ने काफी नीचे से उड़ान भरी, जिसे देखने लोग घरों की छतों पर आकर खड़े हो गए। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का ओंकारेश्वर में दो दिवसीय दौरा है। इस दौरान राष्ट्रपति ओंकारेश्वर में 22 घंटे का समय बिताएंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर गुरुवार और शुक्रवार दिनभर वीआइपी मूवमेंट रहेगा। मप्र के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भी आज ओंकारेश्वर पहुंचने की संभावना है। जिसके चलते भी ट्रैफिक को रोका जाएगा। राष्ट्रपति दोपहर 1.30 बजे हेलीकॉप्टर से ओंकारेश्वर पहुंचेंगी। वहीं, शाम 6.20 बजे राष्ट्रपति ओंकारेश्वर/ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए मंदिर पहुंचेंगी। राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के गुरुवार को ओंकारेश्वर में होने से दिनभर अधिकारियों का भी जमावड़ा रहेगा। राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए प्रेसिडेंट बॉडीगार्ड सहित अर्द्ध सैनिक बल, पुलिस बल की चप्पे-चप्पे पर तैनाती रहेगी। यहां करीब 2600 सुरक्षाकर्मी लगेंगे। इसके अलावा प्रदेश के सभी बड़े अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। जिसके चलते दिनभर वीआइपी मूवमेंट होने से दर्शनार्थियों को परेशानी हो सकती है। दिन में कई बार ट्रैफिक भी रोका जाएगा। राष्ट्रपति के मंदिर में दर्शन से 3 घंटे पूर्व ओंकारेश्वर मंदिर में दर्शन भी रोक दिए जाएंगे।

उज्जैन में रिश्तों का खूनी अंत: पत्नी पर था शक, चाचा को मोगरी से कूट कर मार डाला; फिर शव को ठिकाने लगाया

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

बड़नगर पुलिस ने 15 दिन पुराने अंधे कत्ल का सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। पीपलझला निवासी 35 वर्षीय सुल्तान अचानक लापता हो गया था, जिसके बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। 6 जून को चांदखेड़ी के पास यशवंत सागर तालाब की झाड़ियों से दुर्गंध आने पर पुलिस ने एक शव बरामद किया। पहचान होने पर पता चला कि शव लापता सुल्तान का ही है। उसके सिर पर मोगरी से वार किए गए थे और शव काफी हद तक सड़ चुका था।

एडिशनल एसपी आलोक कुमार शर्मा और करणजीत सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी कमलेश सिंगार ने जांच शुरू की। टेक्निकल टीम, वैज्ञानिक साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मामले का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि सुल्तान की हत्या उसके सगे भतीजे नोशाद (28) ने की थी।

नोशाद को शक था कि उसकी पत्नी मेमसाना और उसके चाचा सुल्तान के बीच अवैध संबंध हैं। इसी शक के चलते उसने अपनी पत्नी और एक नाबालिग के साथ मिलकर सुल्तान को घर बुलाया। वहां विवाद होने पर मोगरी से उसके सिर पर हमला कर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद तीनों ने शव को एक स्विफ्ट कार की डिक्की में रखकर चांदखेड़ी की झाड़ियों में फेंक दिया। हालांकि पुलिस ने जांच के दौरान सभी आरोपियों तक पहुंच बनाई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त मोगरी और स्विफ्ट कार भी बरामद कर ली है। पुलिस ने आरोपी नोशाद और मेमसाना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि नाबालिग को बाल संरक्षण गृह भेजा गया है। तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1), 238, 61(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रतलाम में रणथंभौर एक्सप्रेस के जनरल कोच से धुआं निकलने की खबर, यात्रियों में अफरा-तफरी

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले में इंदौर से जोधपुर जा रही 12465 रणथंभौर एक्सप्रेस को गत दिवस आलोट से पहले लूनी रिछा के पास उस समय इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा, जब ट्रेन के जनरल कोच के पहिए के समीप से धुआं निकलता दिखाई दिया। धुआं उठते ही कोच में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालात को देखते हुए बोगी में सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र की सहायता से कोच के पहिए के पास लगी आग पर काबू पाया गया। एहतियात के तौर पर सवार यात्री ट्रैक के दूसरी तरफ खड़े हो गए।

बताया जा रहा है कि ये हादसा गत दिवस सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट के करीब हुआ है। घटना के कारण अप लाइन पर आने वाली अवध एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों को भी रोकना पड़ा, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि, राहत की बात ये रही कि, किसी यात्री के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। इसके बाद इंदौर से जोधपुर जा रही 12465 रणथंभौर एक्सप्रेस को जोधपुर के लिए रवाना भी कर दिया गया है। आग लगने के बाद जैसे ही ट्रेन के जनरल कोच के पहिए से धुआं निकलता दिखाई दिया, वैसे ही तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया गया। सतर्कता बरतते हुए यात्रियों को तत्काल ट्रेन से नीचे उतरने की अपील की गई और उन्हें सुरक्षित उतार लिया गया। ट्रेन में आग लगने और धुआं उठने की खबर फैलते ही यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। आनन फानन में सभी अपना - अपना सामान लेकर ट्रेन से निकलने लगे। महिलाओं और बच्चों को भी तत्काल उतारा गया।

मेट्रो एंकर त्रि-स्तरीय पंचायत: पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम में दावा-आपत्तियों की तिथि बढ़ाकर 25 जून की

वोटर लिस्ट अपडेशन में 80 हजार से अधिक वोटर होंगे बाहर

खंडवा। दोपहर मेट्रो

राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय और पंचायत क्षेत्र की वोटर लिस्ट पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम में में दावा-आपत्तियों की तिथि बढ़ाकर 25 जून कर दिया है। अपडेशन के दौरान नगरीय और पंचायतों की वोटर लिस्ट को एसआईआर के आधार पर अपडेट किया जा रहा है। बाहर होने वाले वोटरों में एएसडीआर के वोटर शामिल हैं। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के प्रस्तावित तिथि का समय अभी एक साल बाकी है। फोटो युक्त वोटर लिस्ट पुनरीक्षण-2026 कार्य तेजी से चल रहा है। दावा-आपत्तियों के दौरान नगरीय क्षेत्र में 30 हजार और ग्राम पंचायतों में करीब 50 हजार वोटर बाहर होंगे। इसमें एएसडीआर (अफशेंट, सिप्टेड, डेथ, रिपीट) वाले वोटर शामिल हैं।

राज्य चुनाव आयोग ने पुनरीक्षण-2026 की प्रकिया में दावा-आपत्तियों की अवधि 15 से बढ़ाकर 25 जून कर दिया है। 2 जुलाई से दावा-आपत्तियों की सुनवाई के साथ फाइनल प्रकाश

की प्रक्रिया 30 जुलाई तक चलेगी। नगरीय क्षेत्र में पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान एसआईआर के आधार पर वोटर लिस्ट अपडेट की जा रही है।

नगर निगम की वोटर लिस्ट में पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या बाहर किए जा रहे हैं। अपडेशन के दौरान 15 जून की स्थित में नगरीय क्षेत्र में 2.53 लाख वोटर्स में से करीब 30 हजार वोटर्स बाहर होंगे। इसमें एएसडीआर (अफशेंट, सिप्टेड, डेथ, रिपीट) वाले वोटर शामिल हैं। फाइनल प्रकाशन के बाद बाहर होने वालों की संख्या घट बढ़ सकती है। नगरीय क्षेत्र में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक हैं। निगम व नपं में 2,53,208 वोटर्स हैं। इसमें 1,24,924 पुरुष और 1,28,247 महिलाएं हैं। जिसमें पुरुषों से 3 हजार 323 महिलाएं अधिक हैं। इसके अलावा 37 अन्य वोटर्स हैं।

ग्राम पंचायतों में 12 हजार 613 महिलाएं कम

पुनरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों में 50 हजार से अधिक वोटर हटेंगे। इसमें एएसडीआर (अफशेंट, सिप्टेड, डेथ, रिपीट) वाले वोटर शामिल हैं। पंचायतों में 8 लाख 39 हजार 464 वोटर हैं। इसमें 4 लाख 26 हजार 37 पुरुष और 4,13,422 महिलाएं हैं। जिसमें महिलाओं की तुलना में 12,134 पुरुष वोटर अधिक हैं। इसमें 7 वोटर अन्य यानी थर्ड जेंडर के शामिल हैं।

नगरीय क्षेत्र में ऐसे जोड़ें, हटाएं और संशोधित करें

नगरीय क्षेत्र की वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, संशोधित करने और विलोपित करने के लिए क, ख और ग की जगह राज्य चुनाव आयोग ने ऑनलाइन ऐप शुरु किया है। इसमें इआर- 1 में नाम जोड़ने के लिए प्रविष्टि करें। इआर-2 में नाम विलोपित, इआर-3 में संशोधित करें और इआर-4 में अपील कर सकते हैं।

लापरवाही: निर्माण के दौरान बरती हुई तकनीकी गड़बड़ी, अवैध खनन कर राजस्व व वन भूमि से खोदा गया पत्थर

लाखों रुपए से समनापुर में बनाई पत्थर की खकरी कई जगह से हुई धराशायी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत समनापुर में लाखों की लागत से बनाई गई खकरी कुछ माह में ही कई स्थानों से धराशायी हो गई है। इस खकरी में राजस्व व वन भूमि पर अवैध खनन कर पत्थर का उपयोग किया गया था। ग्राम पंचायत समनापुर में वर्ष 2024- 2025 में 9 लाख 54 हजार रुपए की लागत से वेयर हाउस से अमित जैन के खेत तक खकरी का निर्माण हुआ है। दूसरी खकरी का निर्माण कार्य जंगल की सीमा से भूपत के खेत तक हुआ है। जो कि वर्ष 2023-24 में जिसकी लागत 9 लाख 85 हजार है। इतनी बड़ी राशि से खकरी का निर्माण कराया गया था।

ग्राम के कुछ लोगों ने बताया कि इन सभी खकरी में ग्राम पंचायत द्वारा राजस्व भूमि और

वनभूमि के पत्थरों का उपयोग किया है। साथ ही कुछ पत्थर मिटटी के अन्य निर्माण कार्य में निकलने वाले पत्थरों का उपयोग हुआ है। गिने चुने लोगों को रोजगार दिया गया है और अन्य लोगों के नाम पर फर्जी मस्टररोल डालकर राशि निकाली गई। साथ ही फर्जी बिल बाउचर लगाकर राशि का आहरण किया गया है। जिसमें जनपद के अधिकारियों की मुख्य भूमिका है। साथ ही इस खेल में वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी संदेह के घेरे में है। क्योंकि जब क्षेत्र में कहीं भी वैध खदान नहीं है तो इतनी बड़ी तादाद में ग्राम पंचायत में पत्थर कहां से उपलब्ध हो गया। जब ग्राम पंचायत द्वारा खकरी का निर्माण किया जा रहा था। उसके पहले दोनों विभागों के अधिकारियों से अनुमति ओर सूचना दे थी या नहीं। वहीं दूसरी ग्राम पंचायत समनापुर में 19 लाख से अधिक की राशि से बनाई गई खकरी में तकनीकी का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा गया है। जिसके कारण कई स्थानों पर पत्थर की खकरी गिरकर धराशायी हो गई है। खेतों और सड़क किनारे इनके पत्थर बिखरे पड़े हुए हैं। साथ ही खकरी को मजबूत करने के लिए रेत गिट्टी सीमेंट के पक्के मसाले के साथ ऊपर से डीपीसी डाली जाती है, लेकिन यहां पर बनी खकरी में डाली गई डीपीसी बारिश में कई जगह से बह चुकी है। जिसका कारण है कि घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था

वन परिक्षेत्र में एक भी वैध पत्थर खदान नहीं

तेंदूखेड़ा, तारादेही, तेजगढ़ और झलौन वन परिक्षेत्रों में एक भी वैध पत्थर खदान नहीं है जिससे पत्थर की खरीदी की जा सके। यह बात विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में होने के बावजूद भी ग्राम पंचायतों में अवैध पत्थरों से किए गए निर्माण कार्यों पर आज तक जुर्माना नहीं किया गया है। न ही अब तक किसी वन माफिया पर वसूली की कार्रवाई हुई है। सवाल यह है कि वैध खदान नहीं होने के बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में पत्थर कहा से आ रहा है। जिससे यह कहा जा सकता है कि राजस्व व वन भूमि में अवैध रूप से पत्थर का खनन कर खकरी का निर्माण किया गया है।

खेत सुरक्षित करने बनाई थी खकरी

जिलेभर में ग्राम पंचायतों द्वारा किसानों के खेतों की फसलों को मवेशियों से सुरक्षित करने के उद्देश्य से पत्थरों की खकरी बनाई गई थी लेकिन समनापुर ग्राम पंचायत में जामुन मार्ग की और सड़क किनारे लगे किसानों के खेतों के दोनों ओर बनाई गई खकरी अब कई स्थानों से गिरकर धराशायी हो चुकी है जिसके कारण किसानों के खेतों में मवेशी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं किसानों आरोप लगाया है कि जिस समय इन खकरी को बनाया जा रहा था इस समय तकनीकी मानकों का बिलकुल भी ध्यान नहीं रखा गया है। पत्थर की खकरी अंदर मिट्टी भर दी गई।

न्यूज विंडो

अविस्मरणीय काव्य पाठ कर श्रोताओं को किया भावविभोर

नरसिंहपुर। भगवान की भक्ति ही सर्वेश्रेष्ठ है। भगवान की भक्ति और आराधना से कष्टों का निवारण होता है स्थाई सुख और शांति बनी रहती है।अतः नियमित रुप से हमे भक्ति और सत्संग अवश्य ही करना चाहिए।उक्ताशय के विचार नरसिंहपुर मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर के एन पी साहू ने आयोजित सत्संग सभा में व्यक्त किए। आध्यात्मिक काव्यपाठ के अन्तर्गत अखिल भारतीय कवि अशोक त्रिपाठी नरसिंहपुर ने भगवान राम और हनुमान जी महाराज पर अविस्मरणीय काव्यपाठ कर श्रोताओं को भावविभोर किया कुछ इस तरह से..

राम सुखों के हैं सुख सागर,सुखों से भरते सबकी चादर,
राम जगत के पालन कर्ता,पार लगाते जो भवसागर,

पं.दयाराम दुबे ने हनुमान चालीसा सहित सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में जे पी श्रीवास्तव दिनेश श्रीवास्तव महेश नेमा लक्ष्मीकांत सरावगी बी डी रूसिया पं मनीष गिरदोनिया राकेश शर्मा एस पी तिवारी गंगा राम साहू भागवती रामायणी अशोक नेमा बबलू नेमा गोविंद नेमा चौहान साहब एड अजय साहू सुभाष साहू रामचरण कश्यप तनू तरुण साहू अलख सोनकिया सहित अनेक भक्त गण उपस्थित थे। चोला वंदन और आभार प्रदर्शन राकेश शर्मा ने किया।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का समापन

नरसिंहपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, नरसिंहपुर द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह का समापन, विकास खण्ड नरसिंहपुर के ग्राम सिंहपुर (बड़ा)के शासकीय हाई स्कूल मैदान में किया गया। पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना के निर्देशन व जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव जी के कुशल मार्गदर्शन में कबड्डी खेल के प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 1 मई 2026 से किया गया लगभग डेढ़ महीने चले खेल प्रशिक्षण में खिलाड़ियों को खेलो, सीखो, आगे बढ़ो थीम पर प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के प्रशिक्षक,समन्वयक विकास शर्मा के द्वारा प्रशिक्षण शिविर में खेलों के साथ ही फिटनेस, व्यक्तित्व विकास,सामाजिक जागरूकता पर भी रचनात्मक कार्य कराए गए। शिविर में बच्चों ने खेल की बारीकियां सीखकर अपने खेल कौशल में सुधार किया। समापन कार्यक्रम में करेली विकास खण्ड के ग्राम बरमान के शिवाजी यूथ क्लब की बालिका टीम के साथ मैत्री मैच भी कराया गया।

एक्सीडेंट कर घोर उपहति पहुंचाने वाले आरोपी को न्यायालय ने सुनाई सजा

अनूपपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) श्री गिरिवल सिंह के न्यायालय द्वारा सड़क दुर्घटना कर घोर उपहति पहुंचाने वाले आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए सजा सुनाई गई है। अभियोजन के अनुसार दिनांक 23 जुलाई 2020 को फरियादी बेगमबाई अपने पुत्र को खेत में खाना देने जा रही थी। उसी दौरान आरोपी विकुल उर्फ कुशाल चंद्रवंशी द्वारा वाहन को तेज एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए फरियादी को टक्कर मार दी, जिससे उसके दोनों पैरों की उंगलियों में चोटें आईं। घटना की रिपोर्ट पर थाना रामनगर में अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना पूर्ण होने के उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण के विचारण उपरांत दिनांक 16 जून 2026 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री गिरिवल सिंह द्वारा आरोपी विकुल उर्फ कुशाल चंद्रवंशी को दोषी ठहराते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं 6,000 रुपये के अर्थदंड तथा 5,000 रुपये के अतिरिक्त अर्थदंड से दंडित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से सफल पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी (एडीपीओ) द्वारा की गई।

सागर पुलिस की बड़ी सफलता, हत्या में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद

स्टाफ नर्स की हत्या के प्रकरण में फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

शाहगढ़ पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहगढ़ के सामने स्टाफ नर्स की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पिछले चार माह से फरार चल रहे 20 हजार रुपए के इनामी मुख्य आरोपी सुशील चढ़ार तथा उसके सहयोगी सौरभ चढ़ार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद की गई है। ज्ञात हो कि 4 फरवरी 2026 को थाना शाहगढ़ क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सामने पदस्थ स्टाफ नर्स दीपशिखा चढ़ार, निवासी पाटन, जिला जबलपुर की अज्ञात हमलावर द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना शाहगढ़ में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। वैज्ञानिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण एवं लगातार की गई पतारसी के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतिका का आरोपी सुशील चढ़ार, निवासी ग्राम मुड़िया, थाना पनागर, जिला जबलपुर से पूर्व में प्रेम संबंध था परंतु मृतिका एवं उसके परिजनों द्वारा विवाह से इंकार किए जाने के कारण आरोपी एकतरफा प्रेम में आक्रोशित हो गया और योजनाबद्ध तरीके से शाहगढ़ आकर दीपशिखा चढ़ार की गोली मारकर हत्या कर फरार हो गया। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु उप पुलिस महानिरीक्षक, सागर रेंज द्वारा आरोपी पर 20,000 रू0 का नगद इनाम घोषित किया गया। थाना शाहगढ़ पुलिस द्वारा गठित दो विशेष टीमें लगातार जबलपुर एवं ग्राम मुड़िया क्षेत्र में सक्रिय रहीं। 16 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर मुख्य आरोपी सुशील चढ़ार को ग्राम मुड़िया से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पिस्टल बरामद की गई। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त हथियार आरोपी के चचेरे भाई सौरभ चढ़ार द्वारा उपलब्ध कराया गया था। इसके आधार पर सौरभ चढ़ार को भी गिरफ्तार कर प्रकरण में आरोपी बनाया गया। मामले में आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 का भी इजाफा किया गया है।

इस महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी शाहगढ़ उप निरीक्षक संदीप खरे, चौकी प्रभारी हीरापुर उप निरीक्षक अरविंद सिंह ठाकुर, चौकी प्रभारी बराज उप निरीक्षक सतेंद्र गुर्जर, प्रधान आरक्षक जानकी, आरक्षक दिनेश, दुर्गेश, लखन, सुरेन्द्र तथा महिला आरक्षक मनीषा का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व

रंग बदलने वाला पक्षी भुजंगा पल-पल बदलता है अपना रंग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जैव विविधता के लिए विख्यात वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघ सहित कई प्रजातियों के शाकाहारी और मांसाहारी जानवर हैं। यहां पक्षियों की भी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। यही कारण है कि टाइगर रिजर्व में पक्षियों के रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यहां के तालाबों के बीचों-बीच पक्षियों के बैठने के लिए पेड़ के आकार की लकड़ियां लगाई गई हैं। ये पक्षी भी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनते हैं टाइगर रिजर्व में इन दिनों ऐसा पक्षी दिखाई दिया है,

जो रंग बदलता है। इसका नाम भुजंगा या कोतवाल है। दरअसल, इस पक्षी के पंख कांच की तरह होते हैं। इस कारण पंखों पर प्रकाश पड़ने से वे अलग-अलग कोणों से अलग-अलग रंग के दिखाई देते हैं। इसकी बुलंद आवाज के कारण इसे जंगल का कोतवाल भी कहा जाता है आम भाषा में भुजंगा या कोतवाल कहलाने वाले इस पक्षी को ब्लैक ड्रोंगो कहते हैं। यह छोटा और चमकीले काले रंग का होता है। सूर्य का प्रकाश पडने से यह अलग-अलग रंग का नजर आता है। इसकी बुलंद आवाज आसपास के जानवरों का ध्यान खींचती है। यह अपने क्षेत्र में शिकारी पक्षियों, चील, बाज, कौए पर तेजी से झपटता है। इस कारण छोटे पक्षी इसे अपना रखवाला मानते हैं कुछ प्रजातियों के छोटे पक्षी अपने अंडों व चूजों को बचाए रखने के लिए कोतवाल पक्षी के घोंसलों के आसपास ही अपने घोंसले बनाते है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह बताते हैं कि कोतवाल पक्षी को ड्रॉंगो भी कहते हैं। इस पक्षी के पंख कांच की तरह काम करते हैं। अलग-अलग कोणों से प्रकाश पड़ने पर पक्षी का रंग अलग-अलग तरह का नजर आता है टाइगर रिजर्व में यह नजर आता है।

फार्म की तार फेंसिंग को काटकर आरोपी ने चुराई थीं बकरियां

बकरी चोर गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार, आरोपी पर पहले से लूट, डकैती, चोरी के दर्ज हैं 21 मामले

धार। दोपहर मेट्रो

निसरपुर पुलिस चौकी ने बकरी चोरी के एक मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी जितेंद्र पिता गुलाब वास्केल (26) निवासी ग्राम आमघाटा, थाना गंधवानी को न्यायालय में पेश किया है। मामले में शामिल उसके तीन अन्य साथियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम निंबोल निवासी जितेंद्र पाटीदार ने 18 फरवरी को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि निम्बोल-देशवालिया रोड स्थित उनके भारती गोट फार्म हाउस में रात के समय चोरी की वारदात हुई। चोरों ने तार फेंसिंग और बाउंड्रीवाल को नुकसान पहुंचाकर फार्म परिसर में प्रवेश किया तथा दरवाजा खोलकर अंदर से दो बकरे और सात बकरियां चोरी कर लीं। चोरी गए पशुओं की कीमत करीब 95 हजार रुपये बताई गई थी। मामला दर्ज होने के बाद निसरपुर

पुलिस चौकी की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों से सीसीटीवी फुटेज जुटाए। साथ ही धार साइबर सेल की मदद से पीएसटीएन डेटा और संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जांच की गई। तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने जितेंद्र वास्केल को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी जितेंद्र वास्केल के खिलाफ गंधवानी और मनावर थानों में लूट, डकैती, चोरी और नकबजनी सहित कुल 21 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब फरार तीन अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुक्षी निरीक्षक राजेश यादव, चौकी प्रभारी निसरपुर उनि रवि वास्के, सउनि. भुवान चौहान, सउनि थानसिंह जमरा, आर. 968 सुभाष चौहान, आर.55 रवि, आर, 90 गौरव 1074 अर्जुन, सायबर प्रभारी उनि प्रशांत गुंजाल, आर प्रशांत, आर.शुभम का विशेष योगदान रहा है।

जन सुनवाई सफलतापूर्वक सम्पन्न

ग्रामीणों ने परियोजना के जल्द आने के पक्ष में दिया समर्थन

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले की कोतमा तहसील अंतर्गत प्रस्तावित लामाटोला भूमिगत कोयला खदान परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित लोक सुनवाई ग्राम पंचायत बसखली स्थित शासकीय हाईस्कूल परिसर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में परियोजना से प्रभावित सात गांवों के लगभग 1,500 ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा परियोजना के पक्ष में अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। लोक सुनवाई का संचालन कोतमा के अनुविभागीय अधिकारी सतीश वर्मा एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि डॉ. अशोक कुमार तिवारी की उपस्थिति में किया गया।

लोक सुनवाई में लामाटोला, रेउला, गढ़ी, बिचारपुर, बसखली, मौहारी एवं थोड़ाहा गांवों के ग्रामीणों ने परियोजना के संभावित सामाजिक एवं आर्थिक लाभों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों के सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें अभिलेख में दर्ज किया। परियोजना के प्रतिनिधियों ने प्रस्तावित खदान के लिए अपनाए जाने वाले पर्यावरणीय संरक्षण उपायों एवं प्रबंधन योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। ए.सी.सी. लिमिटेड की तरफ से कई अधिकारियों की मौजूदगी रही जिन्होंने परियोजना के लिए उठाये जानेवाले पर्यावरणीय उपायों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।लामाटोला भूमिगत कोयला परियोजना भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा वाणिज्यिक खनन के अंतर्गत अगस्त 2024 में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से मेसर्स ए.सी.सी. लिमिटेड को आवंटित की गई है। यह परियोजना अनूपपुर जिले की कोतमा तहसील के सात गांवों में लगभग 1,030 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तृत है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप वायु गुणवत्ता, जल गुणवत्ता, जल संसाधन, ध्वनि स्तर, भूमि पर्यावरण एवं मृदा गुणवत्ता सहित विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन किया गया है। अध्ययन में सभी मानक निर्धारित सीमाओं के अनुरूप पाए गए हैं तथा परियोजना के लिए व्यापक पर्यावरण प्रबंधन योजना का भी प्रावधान किया गया है।

यह परियोजना लगभग 35 वर्षों तक संचालित होगी, जिसमें आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रतिवर्ष 20 लाख टन कोयले का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना के संचालन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे, जिससे स्थानीय लोगों की आय एवं जीवन स्तर में सुधार होगा। साथ ही, राज्य सरकार के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।ए.सी.सी. लिमिटेड ने क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, कौशल विकास एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु विस्तृत योजनाएं तैयार की हैं।

मेट्रो एंकर | **तेन्दूखेड़ा में एसडीएम की अध्यक्षता में अंतरविभागीय बैठक संपन्न**

पल्स पोलियो अभियान को शत् प्रतिशत सफल बनाएं

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आगामी राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस एनआईडी अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले पल्स पोलियो अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी तेन्दूखेड़ा की ब्लॉक टास्क फोर्स बीटीएफ की अंतरविभागीय बैठक एसडीएम कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम द्वारा की गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में एसडीएम ने सभी विभागों के अधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के लिए आपसी समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पल्स पोलियो अभियान राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम है तथा इसका मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो रोधी दवा पिलाकर पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र का कोई

भी पात्र बच्चा दवा पीने से वंचित नहीं रहना चाहिए, इसके लिए सभी संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि इस वर्ष राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस के अंतर्गत पल्स पोलियो अभियान 28 जून, 29 जून एवं 30 जून 2026 को संचालित किया जाएगा। अभियान के प्रथम दिवस निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, जबकि आगामी दो दिनों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाने का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर अभियान की पूर्व तैयारियों, माइक्रोप्लान, टीम गठन, वैक्सीन एवं लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अभियान के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों, दूरस्थ ग्रामों एवं प्रवासी परिवारों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष रणनीति बनाने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के सफल संचालन हेतु आवश्यक सभी तैयारियां की जा रही हैं तथा विभिन्न विभागों के सहयोग से व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। अंत में एसडीएम सीजी गोस्वामी ने सभी विभागों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से अभियान को सफल बनाते हुए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो रोधी दवा पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान सीवीएमओ अशोक बरोनिया ,बीईओ नितेश पांडे, तहसीलदार विवेक व्यास शहर कर्मचारी उपस्थित रहे

वैभव सुपरमैन सूर्यवंशी... हवा में उड़कर पकड़ा ब्लाइंडर कैच

नई दिल्ली। भारत ए ने दांबुला में बुधवार को खेले गए त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में अफगानिस्तान ए को 101 रन से हराया और फाइनल में जगह बना ली। इस मुकाबले में 15 साल के स्टार ने ऐसा कैच पकड़ा जिसने सभी आलोचकों को जवाब दे दिया है। वैभव ने अफगानिस्तान-ए के खालिद तनिवल का अंशुल कम्बोज की गेंद पर जबरदस्त कैच पकड़ा। वैभव ने बेहतरीन फुर्ती, शानदार टाइमिंग और जबरदस्त एथलेटिज्म दिखाते हुए मुश्किल कैच को आसान बना दिया। आईपीएल में तूफानी बल्लेबाजी के बाद वैभव सूर्यवंशी की फिटनेस और फील्डिंग पर सवाल उठाए जा रहे थे। यह कैच सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि उन लोगों के लिए संदेश था जो उनकी फील्डिंग क्षमता पर सवाल उठा रहे थे। हालांकि करो या मरो के इस मुकाबले में वैभव बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। अफगानिस्तान के गेंदबाज फरीदून दाऊदजई ने तीखी बाउंसर फेंकी और इस पर वैभव ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन कैच आउट हो गए।

अर्शदीप और बरार की शानदार गेंदबाजी

गिल की कप्तानी में भारत ने जीती पहली वनडे सीरीज

लखनऊ, दोपहर मेट्रो

शुभमन गिल और ईशान किशन की बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से भारत ने अफगानिस्तान को दूसरे वनडे मैच में 170 रनों से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 402 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने 44.3 ओवर में 232 रन बनाए। भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। इस तरह गिल की कप्तानी में भारत ने पहली वनडे सीरीज जीती है।

लक्ष्य का पीछा करे हुए अफगानिस्तन की टीम अर्शदीप, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के सामने कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी। अफगानिस्तान की ओर से रहमत शाह ने 89 गेंद में आठ चौकों से सर्वाधिक 79 रन बनाए, जबकि सेदिकुल्लाह अटल (42) और रहमानुल्लाह गुरबाज (41) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। अफगानिस्तान को पिछले मैच के शतकवीर रहमानुल्लाह गुरबाज ने एक बार फिर तेज शुरुआत दिलाई। गुरबाज सातवें ओवर में भाग्यशाली रहे जब पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज प्रिंस यादव की गेंद को हवा में लहराकर अर्शदीप सिंह को कैच बैठे लेकिन यह नोबॉल हो गई। गुरबाज हालांकि जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और अगले ओवर में गुरनूर बरार की गेंद पर विकेटकीपर लोकेश राहुल को कैच दे बैठे। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का मारा। अफगानिस्तान के रनों का शतक 20वें ओवर में पूरा हुआ। गुरनूर ने मोहम्मद सलीम (09) को बोल्ड करके अपना तीसरा विकेट हासिल किया, जबकि प्रिंस ने रहमत को आउट करके अफगानिस्तान की पारी का अंत किया। डार्विश रसूली (06) रिटायर्ड हर्ट हुए।

भारत ने आठवीं बार बनाया 400+ स्कोर

इससे पहले, अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत की बल्लेबाजी इस मैच में दमदार रही और भारत ने वनडे इतिहास में आठवीं बार 400 रनों का आंकड़ा पार किया है और वह इस मामले में दक्षिण अफ्रीका की बराबरी पर पहुंच गया। भारत के लिए इस मैच में गिल और ईशान ने दमदार बल्लेबाजी की और दोनों बल्लेबाजों ने शतक लगाए।

फीफा विश्व कप 2026, इंजरी टाइम में कॉन्गो की शानदार वापसी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बेअसर, डीआर कॉन्गो ने पुर्तगाल को 1-1 की बराबरी पर रोका

ह्यूस्टन, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल और डीआर कॉन्गो के बीच खेला गया मुकाबला रोमांचक अंदाज में 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पुर्तगाल ने शुरुआती बढ़त जरूर हासिल की, लेकिन डीआर कॉन्गो ने शानदार वापसी करते हुए मैच ड्रॉ करा लिया। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो पूरे मैच में गोल करने में नाकाम रहे।

मुकाबले की शुरुआत से ही पुर्तगाल ने आक्रामक खेल दिखाया। टीम को छठे मिनट में ही सफलता मिल गई जब जोआओ नेविस ने शानदार हेडर के जरिए गेंद को नेट में पहुंचाते हुए पुर्तगाल को 1-0 की बढ़त दिला दी। शुरुआती गोल के बाद पुर्तगाल ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की, जबकि कॉन्गो बराबरी की तलाश में जुटा रहा।

हाइड्रेशन ब्रेक तक पुर्तगाल आगे- पहले हाफ के 24 मिनट पूरे होने पर खिलाड़ियों को हाइड्रेशन ब्रेक दिया गया। उस समय तक पुर्तगाल 1-0 से आगे था और नेविस का गोल दोनों टीमों के बीच अंतर बना हुआ था। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में डीआर कॉन्गो ने जबरदस्त वापसी की। इंजरी टाइम (45+5 मिनट) में योन वीसा ने हेडर के जरिए गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 की बराबरी पर पहुंचा दिया। इसके साथ ही दोनों टीमें बराबरी के स्कोर के साथ हाफ-टाइम में गईं।

दूसरे हाफ में नहीं निकला कोई विजेता

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने बढ़त हासिल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी टीम निर्णायक गोल नहीं कर सकी। पुर्तगाल की ओर से रोनाल्डो समेत कई खिलाड़ियों ने मौके बनाए, जबकि कॉन्गो ने भी लगातार दबाव बनाए रखा। हालांकि दोनों टीमों की रक्षा पंक्ति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी हमलों को विफल कर दिया।

मैच ड्रॉ, रोनाल्डो का इंतजार जारी

निर्धारित समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं और मुकाबला ड्रॉ घोषित किया गया। पुर्तगाल के लिए जोआओ नेविस और डीआर कॉन्गो के लिए योन वीसा ने गोल किए। वहीं, सभी की नजरों में रहे कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस मुकाबले में गोल करने में सफल नहीं हो सके।

इंग्लैंड ने 4-2 से क्रोएशिया को हराया, मूसा और मार्टिन की मेहनत पर फिरा पानी

डलास। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एल मुकाबले में इंग्लैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए क्रोएशिया को 4-2 से शिकस्त दी। डलास स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागे, जबकि जूड बेलिंघम और मार्कस रैशफोर्ड ने भी गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। दूसरी ओर, क्रोएशिया के लिए मार्टिन बातुरिना और पीटर मूसा ने गोल किए, लेकिन उनकी मेहनत टीम को हार से नहीं बचा सकी।

केन ने दिलाई शुरुआती बढ़त- इंग्लैंड ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और 12वें मिनट में कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। शुरुआती बढ़त के बाद इंग्लैंड ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार क्रोएशियाई डिफेंस पर दबाव बनाया।

क्रोएशिया की वापसी

पहले हाफ के 36वें मिनट में क्रोएशिया ने शानदार वापसी की। मार्टिन बातुरिना ने बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, इंग्लैंड ने जल्द ही जवाब दिया और 42वें मिनट में हैरी केन ने अपना दूसरा गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। जब लग रहा था कि इंग्लैंड बढ़त के साथ ब्रेक में जाएगा, तभी अतिरिक्त समय में क्रोएशिया ने पलटवार किया। 45+5वें मिनट में पीटर मूसा ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ दोनों टीमें हाफ-टाइम तक पहुंचीं।

भारतीय मूल का खिलाड़ी हुआ बाहर

न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध में दो धुरंधरों की हुई वापसी

वेलिंगटन, दोपहर मेट्रो

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 2026-27 सत्र के लिए पुरुष खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची की घोषणा कर दी है। इस 20 सदस्यीय सूची में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर की वापसी हुई है, जबकि आदित्य अशोक और मोहम्मद अब्बास को बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। डेवोन कॉनवे पिछले दो वर्षों से कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट पर टीम का हिस्सा थे, लेकिन अब उन्हें फिर से केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल किया गया है। आने वाले 12 महीनों में न्यूजीलैंड को काफी टेस्ट क्रिकेट खेलना है और ऐसे में कॉनवे की भूमिका अहम मानी जा रही है। कॉनवे के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 146 मैच और 6000 से अधिक रन दर्ज हैं। उन्होंने आगामी अनुबंध अवधि (1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2027) के दौरान सभी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध रखा है।

टिकनर की मेहनत का मिला इनाम

तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने घरेलू क्रिकेट और राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। इसी का नतीजा है कि उन्हें दोबारा केंद्रीय अनुबंध सूची में जगह मिली है। टिकनर ने न्यूजीलैंड के लिए अपनी पिछली आठ पारियों में से पांच में चार या उससे अधिक विकेट लिए हैं। पिछले महीने आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पांच विकेट हॉल भी हासिल किया था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

दिलजले' ने बदली मधु की जिंदगी! अभिनेत्री ने सुनाया दिलचस्प किस्सा

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री मधु ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक बेहद दिलचस्प खुलासा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी सुपरहिट फिल्म 'दिलजले' सिर्फ उनके करियर के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी शादी की वजह भी बनी। मधु ने कहा कि इसी फिल्म में उनके अभिनय को देखकर उनके भावी पति आनंद शाह उन पर फिदा हो गए थे।

एक विशेष बातचीत के दौरान मधु ने बताया कि उनके पति ने यह फिल्म सिंगापुर में देखी थी। फिल्म में उनके किरदार और अभिनय से वह इतने प्रभावित हुए कि उनके बारे में जानने की इच्छा जागी। अभिनेत्री ने मुस्कुराते हुए कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि वही शख्स उनका जीवनसाथी बनने वाला है। मधु और व्यवसायी आनंद शाह ने 19 फरवरी 1999 को विवाह किया था। दोनों की दो बेटियां हैं, अमेया शाह और केया शाह। आनंद शाह का संबंध भी एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से है। वह उद्योगपति जय मेहता के चचेरे भाई हैं, जिनकी शादी अभिनेत्री जूही चावला से हुई है।

'दिलजले' में निभाया था महिला आतंकी का दमदार किरदार- निर्देशक हैरी बावेजा की फिल्म 'दिलजले' में अजय देवगन, मधु और सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में मधु ने शबनम नाम की महिला आतंकी का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने काफी सराहा था। अभिनेत्री का कहना है कि यह उनके करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक है।

बदल गया है रोमांस का नजरिया

बातचीत के दौरान मधु ने अपनी पहली फिल्म 'फूल और कांटे' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस दौर में फिल्मों में दिखाई जाने वाली कई बातें आज के समय में स्वीकार्य नहीं मानी जाएंगी। अभिनेत्री के अनुसार, फिल्म के शुरुआती गीतों में नायक का नायिका का पीछा करना और छेड़छाड़ जैसी हरकतें उस समय रोमांस का हिस्सा मानी जाती थीं। मधु ने कहा कि आज समाज की सोच बदल चुकी है और ऐसी हरकतों को रोमांस नहीं बल्कि गलत व्यवहार माना जाता है। यही वजह है कि समय के साथ फिल्मों और रिश्तों को देखने का नजरिया भी काफी बदल गया है।

रामायण शो फेम दीपिका के बदले तेवर वेस्टर्न लुक में दिखा स्वैग, चौंके फैंस

दीपिका चिखलिया टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्हें रामानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभाकर घर-घर में खास पहचान मिली। दीपिका को लोग आज भी रामायण की सीता के तौर पर जानते हैं और उन्हें वही प्यार और सम्मान देते हैं। मगर अब टीवी की सीता को वेस्टर्न अवतार में देखकर फैंस के होश उड़ गए।

हाल ही में 61 साल की दीपिका चिखलिया को मुंबई की सड़कों पर स्पॉट किया गया। दीपिका को देख पैप्स ने उन्हें अपने कैमरों में कैद कर लिया। इस दौरान दीपिका चिखलिया ट्रेडिशनल साड़ी नहीं, बल्कि वेस्टर्न अवतार में दिखाई दीं।

जींस और व्हाइट शर्ट में दीपिका काफी स्टनिंग लगीं। उन्होंने बिग साइज सनग्लासेस लगाकर अपना लुक कंप्लीट किया। मिडिल पार्टेड ओपन हेयर और लाइट मेकअप में दीपिका की खूबसूरती का जवाब नहीं है। फैंस उन्हें देखते ही रह गए।

दीपिका की झलक पाकर फैंस खुशी से गदगद हो गए। मगर एक्ट्रेस को वेस्टर्न आउटफिट में देख कई लोग हैरान नजर आ रहे हैं। फैंस का कहना है कि दीपिका ने रामायण में सीता का किरदार इतनी सच्चाई से निभाया है कि उन्हें वेस्टर्न लुक में देखकर हैरानी होती है। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। हालांकि, कई लोग एक्ट्रेस के ट्रांसफॉर्मेशन और मॉडर्न अवतार से इंप्रेस भी नजर आ रहे हैं। दीपिका चिखलिया की बात करें तो उन्होंने 1983 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। वो सबसे पहले सुन मेरी लैला में दिखीं। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। दीपिका ने हिंदी के साथ कई तमिल और भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया है।

मेट्रो बाजार

स्पेसएक्स की डील के बाद भारतीय मूल के अमन सांगर की संपत्ति 5.5 अरब डॉलर पहुंची

नई दिल्ली। स्पेसएक्स ने एआई-आधारित कोडिंग प्लेटफॉर्म कर्सर की मूल कंपनी एनीस्फीयर इंक के अधिग्रहण के लिए 60 अरब डॉलर के शेयर खरीदने का समझौता किया है। इस सौदे के बाद कंपनी के सह-संस्थापक भारतीय मूल के 25 वर्षीय अमन सांगर की अनुमानित संपत्ति 5.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। सांगर ने वर्ष 2022 में मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) को अपने तीन सहपाठियों के साथ छोड़कर उस कंपनी की शुरुआत की थी, जो आगे चलकर कर्सर के रूप में विकसित हुई। वह वर्तमान में एनीस्फीयर में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के पद पर कार्यरत हैं। लिंक्डइन पर सांगर ने अपने मिशन को सॉफ्टवेयर निर्माण की सभी बाधाओं को खत्म करना बताया है। कई रिपोर्टों के अनुसार, इस स्टार्टअप ने शुरुआत में मैकेनिकल इंजीनियरिंग उद्योग के लिए एआई-आधारित सहायक विकसित करने पर काम किया था। बाद में कंपनी ने अपना फोकस बदलकर ऐसी एआई-आधारित कोडिंग प्रणाली विकसित की, जो पूरे कोडबेस का विश्लेषण कर जटिल समाधान तैयार कर सकती है। न्यूयॉर्क में जन्मे अमन सांगर ने 14 वर्ष की उम्र में कोडिंग शुरू कर दी थी। एमआईटी में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात सह-संस्थापकों माइकल ट्रुएल, सुलेह आसिफ और आर्विड लुनेमार्क से हुई थी। एनीस्फीयर में माइकल ट्रुएल मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं, जबकि सुलेह आसिफ उत्पाद प्रमुख की भूमिका निभा रहे हैं।

अफ्रीका के लिए मिसाल बन सकता है भारत का सौर ऊर्जा आधारित कृषि मॉडल : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खेती में सौर ऊर्जा के उपयोग का भारत का मॉडल अफ्रीका के लिए एक प्रभावी और बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकने वाला समाधान साबित हो सकता है। साझा समृद्धि, समुदायों को सशक्त बनाने और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने की इसकी क्षमता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने इसे भारत के किसानों और पूरे देश के लिए गर्व का विषय बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी का एक लेख साझा करते हुए लिखा, सौर ऊर्जा एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभर रही है। कृषि के लिए स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का भारत का मॉडल अफ्रीका के लिए बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकने वाला उदाहरण है, जो साझा समृद्धि को मजबूत करेगा, समुदायों को सशक्त बनाएगा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। यह हमारे किसानों और हम सभी के लिए गर्व की बात है।

लेख में बताया गया है कि भारत की सौर क्रांति अब देश की सीमाओं से आगे बढ़कर अन्य देशों के लिए भी नए अवसर पैदा कर रही है। इसमें प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (इंटरनेशनल सोलर अलायंस) जैसी पहलों को सौर ऊर्जा आधारित कृषि और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताया गया है। लेख में कहा गया है कि भारत का अनुभव यह दिखाता है कि नवीकरणीय ऊर्जा खेती की उत्पादकता बढ़ाने, किसानों की आय में सुधार करने और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है।

छत्तीसगढ़ : तालाब के अलग-अगल किनारों में छिपा रखी थी सागौन

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के साहेबिनकच्छार गांव में लकड़ी तस्करों ने पुष्पा स्टाइल में सागौन की लकड़ियों को तालाब में दबा रखा था। हालांकि पुलिस और वन विभाग को मिली सटीक सूचना के बाद तुरंत कार्रवाई का फैसला किया गया। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम गांव पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच के दौरान जो तस्वीर सामने आई, उसने अधिकारियों को भी चौंका दिया। तस्करों ने लकड़ी को खुले में रखने की बजाय तालाबा में अलग-अलग जगहों पर छिपाकर रखा था, ताकि किसी को शक न हो। छापेमारी के दौरान टीम को तालाब के अंदर छिपाई गई सागौन की लकडियां मिलीं। तालाब के किनारे भी लकड़ियों को छिपाकर रखा गया था। अधिकारियों का मानना है कि सागौन की कीमत लाखों रुपए में है।

'पुष्पा' स्टाइल में तस्करी की कहानी

सागौन की लकड़ी इतनी खास क्यों?

सागौन यानी टीक वुड देश की सबसे कीमती लकड़ियों में गिनी जाती है। फर्नीचर, दरवाजे, खिड़कियां और कई महंगे निर्माण कार्यों में इसका इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि बाजार में इसकी कीमत काफी ज्यादा होती है। ऊंची कीमत के कारण ही सागौन की अवैध कटाई और तस्करी के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं। वन क्षेत्रों से लकड़ी काटकर उसे अलग-अलग राज्यों तक पहुंचाने का नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय रहा है। गरियाबंद के डीएफओ वरुण जैन के मुताबिक, अवैध रूप से सागौन लकड़ी जमा किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की और बड़ी मात्रा में लकड़ी बरामद की। अब पता लगाया जा रहा है कि लकड़ी कहां से लाई गई थी, इसे कहां भेजा जाना था और इस पूरे नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं।

न्यूज विंडो

न्यूयॉर्क: बेकाबू घोड़ा-गाड़ी से गिरकर भारतीय युवक की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित सेंट्रल पार्क में घोड़ा-गाड़ी दुर्घटना में 18 वर्षीय भारतीय पर्यटक रोमांच महाजन की मौत हो गई। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे घोड़ा अचानक बेकाबू होकर दौड़ पड़ा, जिससे गाड़ी पलट गई और युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोमांच महाजन तीन अन्य यात्रियों के साथ घोड़ा-गाड़ी में सवार थे। ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन के अनुसार, गाड़ी चालक यात्रियों की तस्वीर लेने के लिए कुछ देर के लिए गाड़ी से दूर गया था। इसी दौरान घोड़ा बेकाबू होकर दौड़ पड़ा। हादसे के दौरान दो यात्रियों ने चलती गाड़ी से छलांग लगा दी। रोमांच गाड़ी से गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। अन्य यात्रियों ने उपचार लेने से इनकार कर दिया।

IM के दो संदिग्धों की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली पुलिस से इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के उन दो कथित सदस्यों की जमानत अर्जी पर जवाब मांगा, जो आतंकवाद से जुड़े मामलों के सिलसिले में करीब 12 साल से जेल में हैं। जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने मोहम्मद साकिब अंसारी और वकार अजहर की ओर से दायर उन याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया, जिनमें उन्हें जमानत न देने के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। पीठ ने कहा कि जनवरी में अदालत की ओर से तय किए गए वे सिद्धांत इस मामले पर भी लागू होंगे, जिनके तहत दिल्ली दंगों के कई आरोपियों को जमानत दे दी गई थी, जबकि कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम को राहत प्रदान करने से मना करते हुए कहा गया था कि दोनों एक साल तक फिर से जमानत याचिका नहीं दायर कर सकते।

तारिक रहमान के चीन दौरे से भारत संग संबंधों पर नहीं होगा असर : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के एक सरकारी सूत्र ने कहा कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश यात्रा की योजनाओं का भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उनका कहना है कि ढाका-नई दिल्ली संबंधों की अपनी अलग गतिशीलता और जरूरतें हैं, जो अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। बांग्लादेशी के एक अधिकारी की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है, जिनमें कहा गया है कि 17 फरवरी को सत्ता में आए तारिक रहमान अगले हफ्ते अपनी पहली विदेश यात्रा पर जाएंगे जिसमें वे मलेशिया और चीन का दौरा करेंगे।

यूबीटी में बगावत : सिर्फ तीन सांसदों की मौजूदगी में चली बैठक, पार्टी लेगी एक्शन

उद्धव की शिवसेना में बड़ी फूट, संसदीय दल की बैठक से 6 सांसद रहे नदारद

मुंबई. एजेंसी

ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिवसेना नेता संजय राउत के घर पर अहम बैठक हो रही है। इस बैठक में 3 सांसद पहुंचे हैं। व्हिप जारी होने के बावजूद शिवसेना के यूबीटी के 9 सांसदों में से 6 गायब हैं। संजय राउत, अरविंद सावंत, राजा भाऊ बाजे और अनिल देसाई बैठक में शामिल हैं। संजय राज्यसभा सांसद हैं। अन्य तीन लोकसभा सांसद हैं। बैठक के बाद संजय राउत प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

गुरुवार सुबह उद्धव ठाकरे गुट के सांसद अरविंद सावंत दिल्ली स्थित अपने आवास से निकले और संजय राउत के आवास पहुंचे। इस बैठक में आगे की रणनीति को लेकर चर्चा हो रही है। इस बीच संजय राउत ने एक्स पर पोस्ट कर बीजेपी पर निशाना साधा है और कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र जैसे राज्य की जो हालत की है, उसके लिए इतिहास भाजपा को कभी माफ नहीं करेगा।

शिवसेना यूबीटी गुट के पास फिलहाल 9 सांसद हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि इनमें से 6 पाला बदल सकते हैं। शिवसेना में कुछ साल पहले ही फूट हुई थी, जब एकनाथ शिंदे ने कई विधायकों को अपने साथ लिया था और बगावत कर दी थी। शिंदे ने बीजेपी के समर्थन से सरकार भी बना ली थी। बाद में शिवसेना का असली नाम और झंडा भी उन्हें मिल गया। ऐसे में उद्धव ठाकरे को अपनी पार्टी का नाम शिवसेना यूबीटी रखना पड़ा था।

सांसदों को व्हिप जारी

शिवसेना (यूबीटी) के नेता और सांसद संजय राउत ने कहा था, 'कितने सांसद बैठक में आएंगे और कितने नहीं आएंगे, यह हम अभी नहीं बता सकते, लेकिन एक संवैधानिक और संगठनात्मक प्रक्रिया होती है, उसका हम पालन कर रहे हैं। जो सांसद आज की बैठक में शामिल नहीं होंगे, उनके खिलाफ पार्टी की ओर से कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' राउत के इस बयान को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसदों के शिंदे गुट के संपर्क में होने और संभावित टूट की चर्चाएं तेज हैं। ऐसे में आज की संसदीय दल की बैठक पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत और अरविंद सावंत ने कहा है कि पार्टी द्वारा जारी तीन लाइन के व्हिप के बावजूद जो सांसद आज की संसदीय दल की बैठक में उपस्थित नहीं होंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है और उनका निष्कासन भी संभव है। इस संदर्भ में दोनों नेताओं ने शरद यादव का उदाहरण दिया।

सपा के कई सांसद दूसरे खेमें में जाने को तैयार!

नई दिल्ली/लखनऊ। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट का दावा फिर दोहराया है। राजभर ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी में टूट तो होकर रहेगी। राजभर ने दावा किया कि सपा के बागी सांसदों के गुट को संभालने के लिए एक बड़ा चेहरा सामने आ गया है, जो उत्तर प्रदेश की 'बागी भूमि' यानी बलिया से ताल्लुक रखता है। उन्होंने ट्वीट किया, 'सपा में होने वाली इस टूट की योजना पहले से ही तैयार थी, लेकिन हाल ही में हुई एक घटना ने इसमें 'आग में घी' का काम कर दिया है। 17 जून को सपा कार्यालय में आयोजित एक सम्मेलन के नाम पर ब्राह्मण समुदाय का घोर तिरस्कार किया गया।'

राम मंदिर चंदा चोरी: टिन्नू यादव से लंबी पूछताछ

एसआईटी को मिले सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करने के सुबूत

अयोध्या, एजेंसी। श्रीराम मंदिर की दान की राशि में हेरफेर के मामले में एसआईटी (विशेष जांच दल) की तफ्तीश चौथे दिन गुरुवार को भी जारी रही। जांच में ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिससे आशंका है कि सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की गई थी ताकि रकम पार कर सुबूत मिटाए जा सकें। जांच टीम ने रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव से भी लंबी पूछताछ की है। वहीं, निगरानी करने वाले असल जिम्मेदार एसआईटी के सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

एसआईटी की टीम सोमवार से अयोध्या में डेरा डाले है। पहले दिन करीब साढ़े सात घंटे और मंगलवार को 11 घंटे मंदिर परिसर में रहकर टीम ने जांच की थी। बुधवार को भी जांच का सिलसिला जारी रहा। सुबह करीब दस बजे एसआईटी की टीम मंदिर परिसर पहुंची। जहां ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय समेत अन्य कई पदाधिकारी, कर्मचारी, पुजारी और बैंक कर्मी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक टीम ने सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को गहनता से परखा। इसमें कुछ ऐसे तथ्य मिले हैं जिससे आशंका है कि चोरी करने वालों ने फुटेज से छेड़छाड़ की है।

अब तक की जांच में कई नामों का खुलासा, क्या दर्ज होगी एफआईआर?

पकड़े गए पांच संदिग्धों से भी एसआईटी ने पूछताछ की है। उनके पास से रकम भी बरामद हुई थी। सूत्रों के मुताबिक इन संदिग्धों ने कई नामों का खुलासा किया है, जिनको इस खेल में शामिल बताया है। एसआईटी ने उनके बयानों की तस्दीक कर रही है। अब सवाल है कि क्या एसआईटी की जांच के बीच एफआईआर दर्ज की जाएगी या जांच पूरी होने के बाद। या केस दर्ज ही नहीं होगा...ये सवाल अभी भी बना हुआ है।

एसआईटी चंपत राय, गोपाल राव समेत राममंदिर ट्रस्ट के कई अन्य पदाधिकारियों व उनसे जुड़े लोगों से गहनता से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक ये लोग कई सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे हैं। कई सवालों के गोलमोल जवाब दे रहे हैं। वहीं, दान के दिए गए रिकॉर्ड से भी एसआईटी संतुष्ट नहीं है क्योंकि उसमें भी कई चीजें अस्पष्ट हैं। इसलिए एसआईटी को जांच में अधिक समय लग रहा है। विशेष जांच दल ने पूछताछ के लिए करीब दो सौ लोगों की सूची तैयार की है। इनमें से सवा सौ लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इनमें से कुछ से कई बार पूछताछ की है।

जिम के कोच को 20 वर्ष और महिला प्रिंसिपल को तीन साल जेल की सजा

रंगारेड्डी। तेलंगाना की एक अदालत ने उत्पीड़न मामले में एक जिम्नास्टिक कोच और एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल को दोषी ठहराया है। यह मामला 2019 का है। तीन साल की छात्रा के शोषण का मामला था। अदालत ने उन्हें जेल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही जुर्माना भी लगाया है। साइबराबाद के डीसीपी क्राइम, ए. मुथ्यम रेड्डी के अनुसार, 'आरोपी कुरा किरण साई (31), निवासी अशोक नगर, चिकडापल्ली, हैदराबाद, जो जिम्नास्टिक और कराटे कोच के रूप में कार्यरत हैं। उनको दोषी पाया गया। उन्होंने कम से कम 20 वर्ष के कठोर कारावास और 20,000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही चिलाकमुक्कू दीपिका (37), पत्नी चौधरी डेविड, निवासी मियापुर, सेरिलिंगमपल्ली, जो एक निजी स्कूल में प्रिंसिपल के रूप में कार्यरत हैं। उनको 3 वर्ष के साधारण कारावास और 1,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई।'

लालू-राबड़ी की सुरक्षा में तैनात रहेंगी बुलेटप्रूफ गाड़ियां और अंगरक्षक, विवादों के बीच बिहार पुलिस ने दी सफाई

पटना, एजेंसी। बिहार में राजद सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की सुरक्षा को लेकर काफी राजनीति हो रही है। दोनों नेताओं ने पहले अपनी सुरक्षा वापस कर दी थी, जिसके बाद राजद ने सरकार पर लगातार हमले किए थे। अब बिहार पुलिस ने इस मामले पर एक्स पर पूरी जानकारी दी है।

पुलिस ने बताया कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को बिहार विशेष सुरक्षा दल अधिनियम-2010 के तहत सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है।

इसमें बुलेटप्रूफ गाड़ियां भी शामिल हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं को बिहार सरकार के 2 मई 2017 के प्रस्ताव के मुताबिक अंगरक्षक, घर की सुरक्षा, एस्कॉर्ट गार्ड, पायलट और बीआर कार दी गई है। इसके अलावा सादे कपड़ों में एसबी कंपोनेंट के सुरक्षाकर्मी भी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे पहले लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को नीतीश कुमार पर आरोप लगाया था कि उनकी और राबड़ी देवी की सुरक्षा कम करने और आवास रद करने का फैसला नीतीश कुमार के कहने पर लिया गया है। हाल ही में सम्राट चौधरी सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू और राबड़ी देवी की जेड प्लस सुरक्षा श्रेणी घटाने और उनके मौजूदा आवास रद करने का आदेश जारी किया था।

मेट्रो एंकर न्यायिक अधिकारी के मामले से 16 जज अलग हो चुके हैं, भड़के चीफ जस्टिस

कुछ सीनियर वकील मचा रहे हैं हंगामा: सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में एक ही केस से 4 जजों ने खुद को अलग कर लिया। इस पर सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने सख्त नाराजगी जताई और वकीलों को भी खूब फटकार लगाई। न्यायिक अधिकारी अमरीश कुमार जैन की 2022 में दाखिल याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के 4 जज रिक्यूज (अलग) हो चुके हैं, जिनमें तत्कालीन चीफ जस्टिस शील नागू भी शामिल हैं। यह मामला न्यायिक अधिकारी अमरीश कुमार जैन को नौकरी से हटाए जाने से जुड़ा है।

जस्टिस लिसा गिल (2 सितंबर 2024), जस्टिस अश्वनी मिश्रा (25 मार्च 2025), जस्टिस दीपक सिबल (14 मई) और एक और जज इस मामले से खुद को अलग कर चुके हैं। इससे पहले आईएफएस अधिकारी संजीव चतुर्वेदी के मामले से भी 16 जज अलग हो चुके हैं। याचिकाकर्ता अमरीश कुमार ने आर्टिकल 142 के तहत केस को दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर करने की मांग की। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को सख्त निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट 2 जजों की डिवीजन बेंच गठित करें। यह बेंच 13 जुलाई से रोजाना सुनवाई शुरू करें और फैसला सुरक्षित होने तक सुनवाई जारी रखे। जज किसी भी स्थिति में खुद को मामले से अलग न करें। सीजेआई ने कहा कि कुछ 'तथाकथित वरिष्ठ वकील' हाईकोर्ट में हंगामा मचा रहे हैं। अगर कोई जजों को अलग होने के लिए मजबूर करेगा तो गंभीर परिणाम होंगे।

संजीव चतुर्वेदी के केस से भी कई अलग हुए

आईएफएस के वरिष्ठ अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ने अवमानना याचिका दायक की थी। इस मामले पर सुनवाई के लिए कई बार अलग-अलग जज नियुक्त हुए, लेकिन सभी ने फैसला सुनाए बिना ही केस छोड़ दिया था। कुल 16 जज ने यह केस छोड़ा। इससे पहले अतीक अहमद के केस पर सुनवाई करने से 10 जज ने इंकार कर दिया था। अब अमरीश कुमार का मामला भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। आठ अक्टूबर 2025 को न्यायमूर्ति वर्मा ने चतुर्वेदी के मामले की सुनवाई से खुद को अलग करते हुए अपने संक्षिप्त आदेश में बिना कोई कारण बताए कहा था, ''इसे किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।'' न्यायमूर्ति वर्मा, चतुर्वेदी के मामलों की सुनवाई से खुद को अलग करने वाले 16 वें न्यायाधीश थे। इससे पहले, 15 अन्य न्यायाधीश चतुर्वेदी के विभिन्न मामलों की सुनवाई से स्वयं को अलग कर चुके थे।

पत्नी की कंपनी में डाल देता था घोटाले की रकम

75 करोड़ स्कैंडल मामले में क्रेस्ट का पूर्व सीईओ नवनीत गिरफ्तार

चंडीगढ़। सीबीआई ने 75 करोड़ रुपए के क्रेस्ट घोटाले में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलाजी प्रमोशन सोसायटी (क्रेस्ट) के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नवनीत श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया है।

उन पर फर्जी कंपनियां बनाकर क्रेस्ट के फंड में करोड़ों रुपये के गबन का आरोप है। वह लंबे समय से शक के दायरे में थे। सीबीआई ने लंबी जांच के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने उन्हें जिला अदालत में पेश कर उनका तीन दिनों का रिमांड हासिल किया। नवनीत श्रीवास्तव 2014 बैच के इंडियन फारेस्ट सर्विसेज अधिकारी हैं।

चंडीगढ़ में आईडीएफसी बैंक के तीन खाते: सीबीआई के मुताबिक, जांच के दौरान नवनीत श्रीवास्तव की भूमिका सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। जांच में पता चला कि क्रेस्ट के आइडीएफसी बैंक, चंडीगढ़ में तीन खाते थे। इन खातों में जमा करोड़ों रुपये का आरोपितों ने निजी इस्तेमाल किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564